

## RSMSSB Agriculture Supervisor Practice Set Paper-1

**Q.1** गिर नस्ल की गायें निम्नलिखित के लिए उपयुक्त हैं:

- A. अजमेर क्षेत्र
- B. जैसलमेर क्षेत्र
- C. बीकानेर क्षेत्र
- D. जालोर क्षेत्र

**Answer:** A

**Sol:** सही उत्तर है: (a) जालौर क्षेत्र

**स्पष्टीकरण:**

गिर नस्ल भारत की सर्वश्रेष्ठ डेयरी मवेशियों की नस्लों में से एक है, जिसकी उत्पत्ति गुजरात से हुई है।

यह गर्म और शुष्क जलवायु के लिए अच्छी तरह से अनुकूलित है और अपने उच्च दूध उत्पादन के लिए जानी जाती है।

गिर नस्ल के मवेशी मुख्य रूप से भारत की एक प्रमुख दुधरू पशु नस्ल के रूप में जाने जाते हैं, जिनकी उत्पत्ति गुजरात के काठियावाड़ के गिर पहाड़ियों और जंगलों से हुई है।

राजस्थान राज्य में, यह नस्ल सबसे अधिक पाई जाती है और दक्षिण-पूर्वी क्षेत्र, विशेष रूप से अजमेर (खासकर किशनगढ़), भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़ और बूंदी जैसे जिलों के लिए उपयुक्त मानी जाती है।

**Information Booseter:**

- गिर मवेशियों की विशेषताएँ:
  - उत्पत्ति: गुजरात (भारत)
  - औसत दूध उत्पादन: 1200-1800 लीटर प्रति स्तनपान
  - रंग: लाल या धब्बेदार सफेद और लाल
  - विशेष विशेषता: रोगों के प्रति उच्च प्रतिरोध
  - उपयोग: उच्च दूध उत्पादन के लिए डेयरी फार्मिंग और विदेशी नस्लों के साथ क्रॉसब्रीडिंग



**Q.2** अच्छी नस्ल के 'गिर' मवेशियों की दूध उत्पादन क्षमता है:

- A. 1000-2000 लीटर
- B. 2000-2500 लीटर
- C. 2500-4500 लीटर
- D. 5000-8000 लीटर

**Answer:** B

**Sol:** उपलब्ध खोज परिणामों के आधार पर, 'गिर' नस्ल के मवेशियों की दूध उत्पादन क्षमता आमतौर पर प्रति दुग्धपान अवधि में 2000 से 2500+ लीटर तक होती है।

**औसत प्रदर्शन:** गिर नस्ल की गायों की औसत दुग्ध उत्पादन क्षमता आमतौर पर 2,000-2,100 लीटर के आसपास बताई जाती है, जबकि अच्छी गुणवत्ता वाली या अच्छी तरह से प्रबंधित परिपक्व गायें अक्सर प्रति दुग्धपान 1,800-2,000+ लीटर दूध का उत्पादन करती हैं।

- **उच्च उत्पादक:** उच्च स्तरीय प्रबंधन (जैसे, गहन खेती या विशेष प्रजनन) के तहत, कुछ गिर गायें 280-320 दिनों की दुग्धपान अवधि में 3,000-4,200+ लीटर दूध दे सकती हैं, हालांकि 2,000-2,500 लीटर की सीमा को अक्सर विशिष्ट "अच्छा" औसत माना जाता है।
- **दैनिक दूध उत्पादन:** आदर्श परिस्थितियों में एक अच्छी गिर गाय आमतौर पर प्रतिदिन 10-15 लीटर दूध देती है।

इसलिए, "अच्छी" नस्ल के लिए सूची में से सबसे सटीक विकल्प है:

**बी: 2000-2500 लीटर** (बेहतर प्रबंधन के तहत इससे भी अधिक क्षमता के साथ)।

**Q.3** दूध का सबसे परिवर्तनशील घटक है:

- प्रोटीन
- वसा
- लैक्टोज
- खनिज पदार्थ

**Answer:** B

**Sol:** वसा दूध का सबसे परिवर्तनशील घटक है, जो आहार, नस्ल और स्तनपान अवस्था जैसे कारकों से प्रभावित होता है।

**Q.4** साइलेज बनाने के लिए सबसे उत्तम फसल है \_\_\_\_\_

- गेहूँ
- जौ
- मक्का
- जई

**Answer:** C

**Sol:** मक्का अपने उच्च पोषण मूल्य और किण्वन में आसानी के कारण साइलेज बनाने के लिए उत्तम फसल है।

**Q.5** कृत्रिम योनि का तापमान होता है:

- 37°C
- 40°C
- 42°C
- 65°C

**Answer:** C

**Sol:** कृत्रिम योनि का तापमान 42°C पर बनाए रखा जाता है ताकि वीर्य संग्रह के लिए प्राकृतिक परिस्थितियों की नकल की जा सके।

**Q.6** वह रोग जिसमें पशु गर्भपात कर देते हैं या कमजोर बछड़ों को जन्म देते हैं, वह है:

- एंथ्रेक्स
- ब्रूसिलोसिस
- खुरपका और मुंहपका रोग
- स्तनशोथ

**Answer:** B

**Sol:** ब्रूसिलोसिस एक जीवाणुजनित रोग है जो प्रभावित पशुओं में गर्भपात या कमजोर बछड़ों का कारण बनता है।

**Q.7** सिरोही \_\_\_\_ का मूल स्थान है।

- केरल

Adda247

# Test Prime

**ALL EXAMS, ONE SUBSCRIPTION**



**1,00,000+**  
Mock Tests



Personalised  
Report Card



Unlimited  
Re-Attempt



**600+**  
Exam Covered



**25,000+** Previous  
Year Papers



**500%**  
Refund



**ATTEMPT FREE MOCK NOW**

- B. राजस्थान
- C. पंजाब
- D. हरियाणा

**Answer:** B

**Sol:** सिरोंही बकरियां राजस्थान के सिरोंही क्षेत्र से उत्पन्न होती हैं और इन्हें उनके दूध तथा अनुकूलन क्षमता के लिए मूल्यवान माना जाता है।

**Q.8** विश्व में उत्पादित ऊन का लगभग 80% भाग निम्नलिखित स्रोतों से प्राप्त होता है:

- A. रैम्बोइलेट और उसके क्रॉस
- B. मेरिनो और इसके क्रॉस
- C. कराकुल और उसके क्रॉस
- D. डोरसेट और उसके क्रॉस

**Answer:** B

**Sol:** मेरिनो और इसके क्रॉस (Merino and its crosses) अपनी उत्तम ऊन गुणवत्ता के कारण विश्व स्तर पर 80% ऊन उत्पादन में योगदान करते हैं।

**Q.9** वीर्य को जमाने के लिए सबसे अधिक इस्तेमाल किया जाने वाला क्रायोप्रोटेक्टेंट है:

- A. इथेनॉल
- B. ग्लिसरॉल
- C. मेथनॉल
- D. प्रोपलीन ग्लाइकोल

**Answer:** B

**Sol:** ग्लिसरॉल वीर्य को जमाने के लिए सबसे अधिक इस्तेमाल किया जाने वाला क्रायोप्रोटेक्टेंट है, क्योंकि यह वीर्य को जमाने और पिघलाने के दौरान शुक्राणु कोशिकाओं की रक्षा करता है।

**Q.10** किसी वयस्क भेड़ की पहली क्लोन थी:

- A. सागर
- B. डॉली
- C. पोली
- D. जैक

**Answer:** B

**Sol:** डॉली पहली क्लोन भेड़ थी, जिसे 1996 में दैहिक कोशिका परमाणु स्थानांतरण के माध्यम से बनाया गया था।

**Q.11** दूध के उत्पादन में दूसरे स्थान पर कौन-सा राज्य है?

- A. महाराष्ट्र
- B. पंजाब
- C. राजस्थान
- D. गुजरात

**Answer:** C

**Sol:** दूध के उत्पादन में राजस्थान उत्तर प्रदेश के बाद दूसरे स्थान पर है।

**Q.12** भेड़ों में होने वाला रोग एंथ्रेक्स, निम्नलिखित कारणों से होता है:

- A. वायरस
- B. जीवाणु
- C. कवक
- D. परजीवी

**Answer:** B

**Sol:** एंथेक्स रोग बैक्टीरिया के कारण होता है और यह पशुओं और मनुष्यों दोनों के लिए अत्यधिक संक्रामक है।

**Q.13** वैज्ञानिक बधियाकरण एक उपकरण की सहायता से किया जाता है जिसे कहते हैं:

- A. बर्डिज़ो कैस्ट्रेटर
- B. स्केलपेल
- C. क्लैम्प
- D. इमैस्क्युलेटर

**Answer:** A

**Sol:** वैज्ञानिक बधियाकरण बर्डिज़ो कैस्ट्रेटर का उपयोग करके किया जाता है, जो एक रक्तहीन विधि है।

**Q.14** एक बकरी का औसत जीवनकाल कितना होता है?

- A. 8 वर्ष
- B. 5 वर्ष
- C. 12 वर्ष
- D. 22 वर्ष

**Answer:** C

**Sol:** एक बकरी का औसत जीवनकाल 12 वर्ष होता है।

**Q.15** पोल्ट्री के महत्वपूर्ण वायरल रोगों में शामिल हैं:

- A. रानीखेत और मारेक रोग
- B. कोक्सीडियोसिस और रिकेट्स
- C. मुर्गी हैजा और दस्त
- D. पोषण संबंधी रोग और मुड़े हुए पैर का पक्षाघात

**Answer:** A

**Sol:** रानीखेत और मारेक रोग पोल्ट्री में महत्वपूर्ण वायरल रोग हैं, जिनका प्रबंधन न किए जाने पर उच्च मृत्यु दर हो सकती है।

**Q.16** मुर्गियों में फटे पैर किसकी कमी के कारण होते हैं:

- A. कैल्शियम
- B. बायोटिन
- C. विटामिन E
- D. जिंक

**Answer:** B

**Sol:** मुर्गियों में फटे पैर बायोटिन की कमी के कारण होते हैं, जो स्वस्थ त्वचा और पैरों को बनाए रखने के लिए एक महत्वपूर्ण विटामिन है।

**Q.17** दरांती के आकार का सींग किसकी विशेषता है?

- A. मेहसाणा
- B. सुरती
- C. मुर्दाह
- D. गोदावरी

**Answer:** B

**Sol:** सुरती भैंस की विशेषताएँ इस प्रकार हैं:

- इस नस्ल का प्रजनन क्षेत्र गुजरात के कैरा और बड़ौदा जिले हैं।
- बालों का रंग जंग लगे भूरे से लेकर चांदी-ग्रे रंग का होता है। त्वचा काली या भूरी होती है।
- शरीर सुडौल और मध्यम आकार का होता है; बैरल पच्चर के आकार का होता है।
- सिर लंबा और उभरी हुई आँखों वाला होता है।
- सींग दरांती के आकार के, मध्यम लंबे और चपटे होते हैं।
- रंग काला या भूरा होता है।
- इस नस्ल की खासियत दो सफेद कॉलर हैं, एक जबड़े के चारों ओर और दूसरा छाती पर।
- दूध की पैदावार 900 से 1300 किलोग्राम तक होती है।
- पहली बार ब्याने की उम्र 40-50 महीने होती है और ब्याने की अवधि 400-500 दिन होती है।
- इस नस्ल की खासियत दूध में वसा का उच्च प्रतिशत (8-12 प्रतिशत) है।

**Q.18** मैंगो नट वीविल आम की एक विशेष किस्म का विशिष्ट कीट है:

- A. अल्फांसो
- B. तोतापरी
- C. नीलम
- D. तोतापरी और नीलम

**Answer:** A

**Sol:** अल्फांसो आम की किस्म मैंगो नट वीविल से विशेष रूप से प्रभावित होती है।

**Q.19** आम विटामिन A से भरपूर होता है और आम की गुणसूत्रों की संख्या क्या है?

- A. 40
- B. 30
- C. 42
- D. 12

**Answer:** A

**Sol:** आम (*Mangifera indica*) एक द्विगुणित प्रजाति है, जिसकी सोमेटिक कोशिकाओं में 40 गुणसूत्र होते हैं। गुणसूत्रों की संख्या पौधों की प्रजातियों के लिए एक आनुवंशिक पहचानकर्ता के रूप में कार्य करती है। और आम विटामिन A से भरपूर होता है।

**Q.20** 'आम्रपाली' आम निम्नलिखित के बीच का संकर है:

- A. लंगड़ा × नीलम
- B. दशहरी × नीलम
- C. अल्फांसो × तोतापुरी
- D. नीलम × तोतापुरी

**Answer:** B

**Sol:** 'आम्रपाली' एक बौनी, नियमित फल देने वाली, उच्च घनत्व वाली संकर किस्म है जिसे आईएआरआई, नई दिल्ली में दशहरी (मादा) × नीलम (नर) के संकरण से विकसित किया गया है। इसके फल छोटे आकार के होते हैं लेकिन इनकी टिकाऊपन गुणवत्ता उत्कृष्ट होती है।

**Q.21** FlavrSavr टमाटर का विकास इस उद्देश्य से किया गया:

- A. Ripen faster
- B. पीजी गतिविधि को कम करें
- C. ब्रूस्ट सीड नंबर
- D. एथिलीन के उपयोग में सुधार

**Answer:** B

**Sol:** विकल्प (b) सही है क्योंकि FlavrSavr टमाटर को आनुवंशिक रूप से इस प्रकार इंजीनियर किया गया था कि एक एंटीसेन्स जीन संरचना के माध्यम से एंजाइम पॉलिगैलेक्टुरोनेज़ (PG) की अभिव्यक्ति को कम किया जा सके। PG पेक्टिन को तोड़ता है, जो फल की कोशिका भित्ति का एक प्रमुख घटक होता है। इस अपघटन के कारण फलों का नरम होना और शेल्फ लाइफ कम होना होता है। PG की सक्रियता को दबाकर, FlavrSavr टमाटर धीमी गति से नरम होते हैं और इनकी शेल्फ लाइफ सामान्य टमाटरों की तुलना में लगभग 2 सप्ताह अधिक होती है। यह फल को पौधों पर ही प्राकृतिक रूप से पकने की अनुमति भी देता है, जिससे स्वाद और कुल घुलनशील ठोस (TSS) में सुधार होता है।  
विकल्प (a) गलत है क्योंकि FlavrSavr टमाटर तेज़ नहीं बल्कि धीरे पकते हैं।  
विकल्प (c) गलत है क्योंकि बीज उत्पादन इसका लक्ष्य नहीं था।  
विकल्प (d) गलत है क्योंकि FlavrSavr पारंपरिक टमाटरों में उपयोग होने वाली एथिलीन-आधारित कृत्रिम पकाने की प्रक्रिया पर निर्भर नहीं करता।

**निष्कर्ष:** सही उत्तर है विकल्प (b) – PG की सक्रियता को कम करना।

**Q.22** टमाटर की लीफ कर्ल (पत्ती मरोड़) रोग का संचरण होता है:

- A. सफेद मक्खी
- B. जस्सिद
- C. एफिड
- D. घुन

**Answer:** A

**Sol:** • सही विकल्प (a) - सफेद मक्खी: टमाटर लीफ कर्ल वायरस (ToLCV) सफेद मक्खी (बेमिसिया टैबैसी) द्वारा फैलता है, जो कई बेगोमोवायरस के लिए एक प्रसिद्ध वेक्टर है। • (b), (c), (d) - ToLCV संचरण में शामिल नहीं है।

**Q.23** आसमाटिक निर्जलीकरण के लिए सबसे अधिक इस्तेमाल किया जाने वाला घोल है:

- A. चीनी का घोल
- B. KMS घोल
- C. बेंजोइक एसिड घोल
- D. उपरोक्त सभी

**Answer:** A

**Sol:** चीनी के घोल का उपयोग आमतौर पर परासरणी निर्जलीकरण के लिए किया जाता है, क्योंकि यह परासरण के माध्यम से पानी निकालकर फलों और सब्जियों को संरक्षित करने में मदद करता है।

**Q.24** टोगेनबर्ग बकरी नस्ल किस देश में उत्पन्न हुई?

- A. जर्मनी
- B. फ्रांस
- C. स्विट्ज़रलैंड
- D. इटली

**Answer:** C

**Sol:** टोगेनबर्ग नस्ल की उत्पत्ति स्विट्ज़रलैंड की टोगेनबर्ग घाटी में हुई थी और यह सबसे पुरानी ज्ञात डेयरी बकरी नस्लों में से एक है।

**Q.25** कौन सी सरकारी योजना भारत में डेयरी उद्यमिता को समर्थन देती है?

- A. RKVY
- B. PM-KISAN
- C. DEEDS
- D. PMFBY

**Answer:** C

**Sol:** डेयरी उद्यमिता विकास योजना (DEDS) डेयरी फार्मिंग के लिए स्वरोजगार और बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देती है।

**Q.26** राजस्थान में "पशुधन बीमा योजना" का प्राथमिक उद्देश्य क्या है?

- A. मवेशियों को मुफ्त चारा उपलब्ध कराना
- B. पशुओं को बीमारी या मृत्यु से बचाने के लिए बीमा कराना
- C. विदेशी नस्ल की गायों का वितरण करना
- D. जैविक पशुपालन को बढ़ावा देने के लिए

**Answer:** B

**Sol:** पशुधन बीमा योजना एक पशुधन बीमा योजना है जो बीमारी, दुर्घटना या प्राकृतिक कारणों से बीमित पशुओं के नुकसान के मामले में किसानों को मुआवजा प्रदान करती है।

**Q.27** जेली का महत्वपूर्ण घटक है:

- A. चीनी
- B. अम्ल
- C. पानी
- D. पेक्टिन

**Answer:** D

**Sol:** पेक्टिन जेली का महत्वपूर्ण घटक है जो इसे जमने में सक्षम बनाता है और इसे जेल जैसी बनावट देता है।

**Q.28** मिर्च की बारहमासी किस्म है:

- A. अर्का लोहित
- B. पूसा ज्वाला
- C. पूसा सदाबहार
- D. पंत C-1

**Answer:** C

**Sol:** (c) पूसा सदाबहार: • IARI, नई दिल्ली द्वारा विकसित, पूसा सदाबहार एक बारहमासी मिर्च किस्म है जो पूरे साल उत्पादन देती है। • यह अपनी निरंतर फूल और फल देने की आदत के लिए जानी जाती है, जो इसे दीर्घकालिक खेती के लिए उपयुक्त बनाती है। • यह पाउडरी फफूंद और पत्ती कर्ल जैसी आम मिर्च की बीमारियों के लिए मध्यम प्रतिरोध प्रदान करती है। अन्य किस्में विकास की आदत में या तो वार्षिक या अर्ध-बारहमासी हैं।

**Q.29** मिर्च \_\_\_\_\_ परिवार से संबंधित है

- A. Solanaceae
- B. Rosaceae
- C. Rutaceae
- D. Anonaceae

**Answer:** A

**Sol:** मिर्च Solanaceae कुल से संबंधित है। मिर्च की उत्पत्ति मेक्सिको से हुई है। इसका अधिकांश उपयोग ताज़ी सब्ज़ी के रूप में किया जाता है। मिर्च भारत के प्रत्येक व्यंजन में एक महत्वपूर्ण सब्ज़ी और मसाले के रूप में प्रयुक्त होती है और यह पूरे देश में उगाई जाती है। तीव्र स्वाद वाली किस्मों का उपयोग हरी मिर्च, साबुत सूखी मिर्च, मिर्च पाउडर, मिर्च पेस्ट, मिर्च सॉस, मिर्च ओलियोरेसिन या मिश्रित करी पाउडर के रूप में किया जाता है। सूखे फल मसाले के रूप में व्यापक रूप से उपयोग किए जाते हैं।

**Q.30** भिंडी का सबसे गंभीर रोग कौन सा है?

- A. रूट रॉट
- B. पाउडरी मिल्ड्यू
- C. येलो वेन मोज़ेक
- D. डाउनी मिल्ड्यू

**Answer:** C

**Sol:** (c) येलो वेन मोज़ेक (Yellow vein mosaic): • भिंडी में सबसे गंभीर और आर्थिक रूप से हानिकारक रोग। • येलो वेन मोज़ेक वायरस के कारण होता है, जिसे सफेद मक्खियाँ फैलाती हैं। • यह पत्तियों में हरितहीनता (क्लोरोसिस) और फल उत्पादन में कमी का कारण बनता है। • भिंडी उगाने वाले क्षेत्रों में व्यापक रूप से पाया जाता है। (क) रूट रॉट (Root rot): • महत्वपूर्ण है लेकिन उतना विनाशकारी नहीं। (ख) पाउडरी मिल्ड्यू (Powdery mildew): • कभी-कभी होता है, कम गंभीर। (घ) डाउनी मिल्ड्यू (Downy mildew): • शायद ही कभी भिंडी को गंभीर रूप से प्रभावित करता है।

**Q.31** बैंगन का छोटा पत्ता किसके कारण होता है?

- A. माइकोप्लाज्मा जैसा जीव
- B. कवक
- C. जीवाणु
- D. वायरस

**Answer:** A

**Sol:** • सही विकल्प (a) - माइकोप्लाज्मा जैसा जीव (MLO): छोटी पत्ती रोग लीफहॉपर द्वारा प्रसारित फाइटोप्लाज्मा के कारण होता है, जिससे बैंगन में पत्तियां छोटी हो जाती हैं और फल कम लगते हैं। • (b), (c), (d) - इस विकार से संबंधित नहीं है।

**Q.32** अनार का व्यावसायिक प्रसार निम्न प्रकार से किया जाता है:

- A. वायु परत
- B. कठोर लकड़ी काटना
- C. वेज ग्राफ्टिंग
- D. अर्ध कठोर लकड़ी काटना

**Answer:** B

**Sol:** अनार का व्यावसायिक प्रवर्धन दृढ़ लकड़ी की कटिंग द्वारा किया जाता है, यह एक ऐसी तकनीक है जो फल उत्पादन के लिए पौधों को शीघ्र स्थापित करने में मदद करती है।

**Q.33** अनार में जीवाणुजनित पत्ती धब्बा रोग निम्नलिखित के कारण होता है:

- A. जैथोमोनस एक्सानोपोडिस पी.वी. पुनिका
- B. जैथोमोनस कैम्पेस्ट्रिस पी.वी. ट्रांसलूसेंस
- C. जैथोमोनस आर्बोरिकोला पी.वी. प्रुनी
- D. जैथोमोनस कैम्पेस्ट्रिस पी.वी. प्रुनी

**Answer:** A

**Sol:** • सही विकल्प (a) - जैथोमोनस एक्सानोपोडिस पी.वी. पुनिका: यह जीवाणु अनार में बैक्टीरियल लीफ स्पॉट का कारण बनता है, जिसके परिणामस्वरूप गहरे भूरे रंग के अनियमित पत्ती के घाव, पतझड़ और कम उपज होती है। • (b), (c), (d) - अन्य फसलों से जुड़े पथोवर्स, अनार से नहीं।

**Q.34** पपीता की नर्सरी अवस्था में होने वाला रोग है:

- A. एन्थ्रेक्नोज
- B. डैम्पिंग ऑफ
- C. पाउडरी मिल्ड्यू
- D. पपीया मोज़ेक वायरस

**Answer:** B

**Sol:** **डैम्पिंग ऑफ** पपीता की नर्सरी में एक गंभीर अंकुर रोग है, जो **पाइथियम** (Pythium) और **राइजोक्टोनिया** (Rhizoctonia) जैसे फफूंदों के कारण होता है। यह रोग तने के आधार (जड़ के पास) को सड़ाता है, जिससे नन्हे पौधों का गिरना और अंततः मर जाना होता है।

**Q.35** पपीते का पीला रंग किसकी उपस्थिति के कारण होता है?

- A. कैरोटीन
- B. कैरिकैक्सैथिन
- C. केरसेटिन
- D. लाइकोपीन

**Answer:** B

**Sol:** पपीते का पीला रंग मुख्यतः कैरिकैक्सैथिन नामक वर्णक के कारण होता है।

**Q.36** आंवला के आंतरिक फल परिगलन को निम्नलिखित के छिड़काव द्वारा नियंत्रित किया जा सकता है:

- A. जिंक सल्फेट 0.2%
- B. बोरेक्स 0.6%
- C. यूरिया 1%
- D. कैल्शियम क्लोराइड 0.4%

**Answer:** B

**Sol:** आंवले में आंतरिक फल परिगलन एक शारीरिक विकार है जो बोरॉन की कमी के कारण होता है। 0.6% बोरेक्स का छिड़काव इस कमी को दूर करता है और फलों में ऊतकों का कालापन रोकता है।

**Q.37** जैम में क्रिस्टलीकरण निम्नलिखित कारणों से होता है:

- A. पानी की अधिकता
- B. चीनी की कमी
- C. अम्ल की अधिकता
- D. चीनी की अधिकता

**Answer:** D

**Sol:** जैम में अधिक चीनी (Excess sugar) क्रिस्टलीकरण का कारण बनती है, क्योंकि जब सांद्रता संतृप्ति बिंदु से अधिक हो जाती है तो चीनी के अणु क्रिस्टल बनाते हैं।

**Q.38** खजूर एक पेड़ है?

- A. एकलिंगी पौधा
- B. द्विलिंगी पौधा
- C. उभयलिंगी पौधा
- D. अलैंगिक पौधा

**Answer:** B

**Sol:** खजूर (फ़ीनिक्स डेक्टिलिफ़ेरा) एक द्विलिंगी पौधा है, जिसका अर्थ है कि इसमें नर और मादा पौधे अलग-अलग होते हैं। नर पौधे पराग उत्पन्न करते हैं और मादा पौधे फूल उत्पन्न करते हैं, जो परागण के बाद खजूर में विकसित होते हैं। व्यावसायिक खेती में उच्च उपज सुनिश्चित करने के लिए अक्सर कृत्रिम परागण किया जाता है। खजूर की खेती आमतौर पर शुष्क और अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में की जाती है।

**Q.39** प्याज की कौन सी किस्म लवणता के प्रति सहनशील है?

- A. N-53
- B. पूसा रेड
- C. पूसा व्हाइट
- D. हिसार-2

**Answer:** D

**Sol:** प्याज (*Allium cepa*) मृदा लवणता के प्रति संवेदनशील होता है, जिससे गांठ का आकार, उपज और गुणवत्ता प्रभावित होती है।

हालाँकि, कुछ किस्में ऐसी भी विकसित की गई हैं जो लवणता सहनशीलता में बेहतर प्रदर्शन करती हैं और समस्याग्रस्त मिट्टियों के लिए उपयुक्त हैं।

**Key Points:**

**हिसार-2:**

- यह किस्म चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार द्वारा विकसित की गई है।
- इसे विशेष रूप से लवणीय और क्षारीय मिट्टियों के प्रति सहनशीलता के लिए विकसित किया गया है।
- यह अन्य वाणिज्यिक प्याज किस्मों की तुलना में उच्च विद्युत चालकता (EC) की स्थितियों में बेहतर प्रदर्शन करती है।
- यह खारी मिट्टी में भी मध्यम आकार की अच्छी गुणवत्ता वाली गांठें देती है, जहाँ अन्य किस्में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पातीं।

**महत्त्व:**

- यह प्याज की खेती को सीमांत और लवणीय भूमि तक विस्तार करने में सहायक है।
- प्रभावित क्षेत्रों के किसानों को उत्पादन बनाए रखने का एक व्यवहार्य विकल्प प्रदान करती है।

**Other Options Explained:**

**(a) N-53:**

- खरीफ मौसम की एक लोकप्रिय किस्म है, लेकिन इसे विशेष रूप से लवणता सहनशीलता के लिए विकसित नहीं किया गया है।

**(b) पूसा रेड:**

- यह जल्दी तैयार होने वाली रबी मौसम की किस्म है, लेकिन सामान्य रूप से लवणता के प्रति संवेदनशील है।

**(c) पूसा व्हाइट:**

- यह सफेद प्याज की आवश्यकताओं के लिए उगाई जाती है, परंतु लवणता सहनशील नहीं है।

**Q.40** टमाटर की एक हेक्टेयर रोपाई के लिए नर्सरी में कितने क्षेत्र की आवश्यकता है?

- 150m<sup>2</sup>
- 250m<sup>2</sup>
- 500m<sup>2</sup>
- 1000m<sup>2</sup>

**Answer:** B

**Sol:** एक हेक्टेयर टमाटर की रोपाई के लिए नर्सरी में लगभग 250 वर्ग मीटर जगह की आवश्यकता होती है। यह जगह एक हेक्टेयर खेत में रोपाई के लिए पर्याप्त पौधे उगाने के लिए आवश्यक है।



**Q.41** मक्का की फसलों में एक आम कीट, मक्का तना छेदक का वैज्ञानिक नाम \_\_\_\_\_ है।

- हेलिकोवर्पा आर्मिगेरा
- चिलो पार्टेलस
- स्पोडोप्टेरा फ्रुगाइपरडा
- हेलियोथिस विरेसेंस

**Answer:** B

**Sol:** चिलो पार्टेलस, मक्का तना छेदक का वैज्ञानिक नाम है, जो मक्का की फसलों का एक प्रमुख कीट है। यह तनों में छेद करके पौधों के ऊतकों में सुरंग बनाता है, जिससे मक्का को काफी नुकसान पहुँच सकता है और उपज कम हो सकती है। इस कीट के प्रबंधन के लिए प्रतिरोधी फसल किस्मों और जैविक नियंत्रण सहित प्रभावी नियंत्रण उपाय आवश्यक हैं।

**Q.42** 1 किलोग्राम चावल का उत्पादन करने के लिए लगभग कितने लीटर पानी की आवश्यकता होती है?

- A. 2000 लीटर
- B. 3000 लीटर
- C. 4000 लीटर
- D. 5000 लीटर

**Answer:** D

**Sol:** चावल की खेती अत्यधिक जल-उपयोगी होती है, जिसमें 1 किलोग्राम चावल का उत्पादन करने के लिए लगभग 5000 लीटर पानी की आवश्यकता होती है। चावल की खेती आमतौर पर बाढ़ग्रस्त परिस्थितियों में की जाती है, जिससे जल प्रबंधन को अधिक कुशल बनाने की आवश्यकता होती है।

**Q.43** ज्वार में पुष्पगुच्छ का प्रकार-

- A. स्पाइक
- B. पुष्पगुच्छ
- C. कैरियोप्सिस
- D. एक्सिलरी रेसमी

**Answer:** B

**Sol:** ज्वार (सोरघम) में पुष्पगुच्छ का प्रकार पैनिकल होता है। पैनिकल शाखायुक्त पुष्पगुच्छ होते हैं, जिनमें प्रत्येक फूल एक छोटा दाना धारण करता है, और यही ज्वार पौधों में पाया जाने वाला विशिष्ट पुष्पगुच्छ है।

**Q.44** बाजरे का वानस्पतिक नाम है -

- A. सोरघम बाइकलर
- B. पेनिसेटम ग्लौकम
- C. ज़िया मेयस
- D. ट्रिटिकम एस्टिवम

**Answer:** B

**Sol:** बाजरे का वानस्पतिक नाम पेनिसेटम ग्लौकम है।

**Q.45** गेहूँ का परीक्षण भार कितना है?

- A. 40 ग्राम
- B. 50 ग्राम
- C. 55 ग्राम
- D. 60 ग्राम

**Answer:** A

**Sol:** गेहूँ का परीक्षण भार गेहूँ की एक विशिष्ट मात्रा के वजन को संदर्भित करता है, जिसे आमतौर पर गुणवत्ता संकेतक के रूप में माना जाता है। 40 ग्राम का परीक्षण भार एक मानक उपाय माना जाता है, जो गेहूँ के दानों के घनत्व और गुणवत्ता को दर्शाता है।

**Q.46** छह पंक्तियों वाली जौ का वानस्पतिक नाम क्या है?

- A. होर्डियम व्लागरे
- B. होर्डियम डिस्टिचोन
- C. होर्डियम इररेगुलर
- D. इनमे से कोई भी नहीं

**Answer:** A

**Sol:** होर्डियम वल्गेरे छह पंक्तियों वाली जौ का वानस्पतिक नाम है। इसे चारे, भोजन और माल्ट उत्पादन के लिए व्यापक रूप से उगाया जाता है।

**Q.47** चना (चना फसल) में निपिंग किस अवस्था में की जाती है?

- A. 10-20 DAS
- B. 30-40 DAS
- C. 40-50 DAS
- D. 20-30 DAS

**Answer:** B

**Sol:** चना निपिंग एक विशेष खेती पद्धति है जिसमें फसलों की शीर्ष कलियों को तोड़ा जाता है। यह लगभग 30-40 दिनों के अंतराल पर किया जाता है। यह शीर्ष वृद्धि को रोकता है और पार्श्व शाखाओं को बढ़ावा देता है; जिससे पौधे में अधिक फलियाँ और फूल आते हैं, और उपज बढ़ती है।

**Q.48** मूंगफली में छिलका प्रतिशत है -

- A. 33%
- B. 50%
- C. 70%
- D. 60%

**Answer:** C

**Sol:** मूंगफली में छिलका उतारने का प्रतिशत लगभग 70% है, जो छिलका उतारने के बाद प्राप्त दानों के अनुपात को दर्शाता है।

**Q.49** तिल के फिलोडी रोग का कारण है:

- A. बैक्टीरिया
- B. वायरस
- C. फंगी
- D. फाइटोप्लाज्मा

**Answer:** D

**Sol:** फाइटोप्लाज्मा तिल में फिलोडी रोग का कारण है।  
 · यह फूलों के भागों को पत्तेदार संरचनाओं में बदल देता है, जिसके परिणामस्वरूप बाँझपन और भारी उपज की हानि होती है।  
 · यह रोग कीट वाहकों, जैसे कि लीफहॉपर्स द्वारा फैलता है।

**Q.50** सोयाबीन की उत्पत्ति \_\_\_\_\_ से हुई है

- A. भारत
- B. अमेरिका
- C. जापान
- D. चीन

**Answer:** D

**Sol:** सोयाबीन मूलतः चीन में उगाया गया था, तथा हजारों वर्ष पुराने ऐतिहासिक अभिलेख चीनी कृषि में इसके दीर्घकालिक महत्व को रेखांकित करते हैं।

**Q.51** सरसों अनुसंधान परियोजना निदेशालय यहां स्थित है:

- A. भरतपुर
- B. जोबनेर
- C. जोधपुर
- D. उदयपुर

**Answer:** A

**Sol:** सरसों अनुसंधान परियोजना निदेशालय, आईसीएआर-रेपसीड-सरसों अनुसंधान निदेशालय (ICAR-DRMR), सेवर, भरतपुर, राजस्थान, भारत में स्थित है।

**Q.52** अलसी किस परिवार की फसल है?

- A. पॉलीगोनेसी
- B. लिनेसी
- C. पोएसी
- D. मालवेसी

**Answer:** B

**Sol:** अलसी लिनेसी परिवार से संबंधित है।

**Q.53** अरंडी का पौधा किस परिवार से संबंधित है?

- A. सोलानेसी
- B. कॉन्वोल्वुलेसी
- C. यूफोरबियासी
- D. चेनोपोडियासी

**Answer:** C

**Sol:** अरंडी (रिकिनस कम्युनिस) यूफोरबियासी परिवार से संबंधित है। इस परिवार में वे पौधे शामिल हैं जिनका उपयोग अक्सर तेल निकालने के लिए किया जाता है, और अरंडी के तेल का विभिन्न उद्योगों में व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है।

**Q.54** सूरजमुखी किस परिवार से संबंधित है?

- A. पोएसी
- B. एस्टरेसिया
- C. चेनोपोडियासी
- D. सोलानेसी

**Answer:** B

**Sol:** सूरजमुखी एस्टरेसी परिवार से संबंधित है।

**Q.55** ब्रीडर बीज किस बीज की संतान (उत्पत्ति) होता है?

- A. प्रमाणित बीज
- B. बुनियादी बीज
- C. नाभिकीय बीज
- D. संकर बीज

**Answer:** C

**Sol:** प्रजनक बीज, नाभिकीय बीज की संतति है। इसका उत्पादन अनुसंधान संस्थानों में पादप प्रजनकों की देखरेख में किया जाता है। यह आधार बीज के स्रोत के रूप में कार्य करता है। बीज उत्पादन कार्यक्रमों में प्रजनक बीजों की गुणवत्ता और आनुवंशिक शुद्धता अत्यंत महत्वपूर्ण है।

**Q.56** एकल फसल में फसल की तीव्रता कितनी होती है?

- A. 50%
- B. 100%
- C. 150%
- D. 200%

**Answer:** B

**Sol:** एकल फसल उत्पादन में फसल की गहनता 100% होती है, क्योंकि एक ही मौसम में एक ही भूमि पर केवल एक ही फसल उगाई जाती है।

**Q.57** वर्षा के कारण मृदा अपरदन को \_\_\_\_\_ कहा जाता है।

- A. शीट अपरदन
- B. स्प्लैश अपरदन
- C. रिल अपरदन
- D. गली अपरदन

**Answer:** B

**Sol:** स्प्लैश अपरदन (Splash erosion) तब होता है जब बारिश की बूंदें नम मिट्टी पर गिरती हैं, जिससे मिट्टी के कण अलग हो जाते हैं। अन्य प्रकार के अपरदन में बारिश के बाद पानी का बहाव शामिल होता है।

**Q.58** मृदा संरक्षण एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें मृदा को \_\_\_\_\_ किया जाता है।

- A. वातित
- B. कटाव/हानि से संरक्षित
- C. अनुत्पादक करना
- D. बहा देना

**Answer:** B

**Sol:** मृदा संरक्षण का उद्देश्य मृदा अपरदन को रोकना और उर्वरता बनाए रखना है। मृदा संरक्षण उन प्रथाओं और विधियों को संदर्भित करता है जिनका उपयोग मृदा को क्षरण और अपरदन से बचाने के लिए किया जाता है, जिससे उसका दीर्घकालिक स्वास्थ्य और उत्पादकता सुनिश्चित होती है। इसमें ऊपरी मृदा के क्षरण को रोकने, उर्वरता बनाए रखने और प्राकृतिक एवं मानव-जनित कारकों के नकारात्मक प्रभावों को कम करने के लिए मृदा प्रबंधन शामिल है।

**Q.59** फर्टिगेशन में उपयोग के लिए उपयुक्त उर्वरक कौन-सा है?

- A. जैविक खाद
- B. कम्पोस्ट/खाद
- C. तरल उर्वरक
- D. हरी खाद

**Answer:** C

**Sol:** • तरल उर्वरक फर्टिगेशन (उर्वरक + सिंचाई) के लिए आदर्श होते हैं। • आसानी से घुलनशील और पौधों के लिए सीधे उपलब्ध। • ड्रिप या स्प्रींकलर सिंचाई प्रणालियों के माध्यम से लगाया जा सकता है। • पोषक तत्वों के अवशोषण की क्षमता को बढ़ाता है। • उर्वरक की हानि को कम करता है और उपज बढ़ाता है।

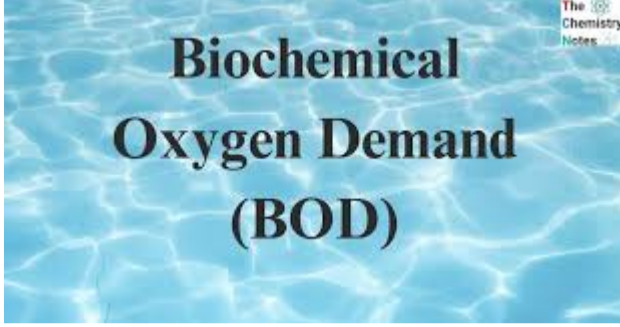
**Q.60** जैविक जल प्रदूषण का प्रमुख संकेतक क्या है?

- A. pH मान
- B. जैविक ऑक्सीजन मांग (BOD)

- C. विघटित ऑक्सीजन (DO)  
D. मैलापन

**Answer:** B

- Sol:** 1. **जैविक ऑक्सीजन मांग (BOD)** कार्बनिक जल प्रदूषण का एक प्रमुख संकेतक है।  
2. उच्च BOD कार्बनिक पदार्थ के उच्च स्तर को इंगित करता है, जो जल में ऑक्सीजन को कम करता है।  
3. यह जलीय जीवन और जल की गुणवत्ता पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है।



**Q.61** राजस्थान की पशुधन की थारपारकर नस्ल \_\_\_\_\_ से संबंधित है।

- A. घोड़ा  
B. ऊंट  
C. बकरी  
D. गाय

**Answer:** D

**Sol:** सही उत्तर है विकल्प (d) गाय।

**व्याख्या (Explanation):**

थारपारकर नस्ल एक गाय की नस्ल है, जो मुख्य रूप से भारत के राजस्थान क्षेत्र में पाई जाती है। यह एक दोहरे उद्देश्य वाली नस्ल है, जिसे दूध और खींचने के कार्य दोनों के लिए पाला जाता है। थारपारकर गायें अपनी कठोर प्रकृति और कठोर जलवायु में अनुकूलनशीलता के लिए जानी जाती हैं, जिससे ये राजस्थान जैसे क्षेत्रों के लिए आदर्श होती हैं। इनका शरीर हल्का से मध्यम आकार का होता है और इन्हें दूध उत्पादन के लिए अच्छा माना जाता है, विशेष रूप से जल की कमी वाले क्षेत्रों में।

**Information Booster:**

- **थारपारकर गाय:** यह नस्ल राजस्थान में पाई जाती है, और यह कठोर जलवायु में सहनशीलता के लिए जानी जाती है।
- **दोहरे उद्देश्य वाली नस्ल:** थारपारकर गाय को दूध उत्पादन और खींचने के काम दोनों के लिए पाला जाता है।
- **अनुकूलता:** यह नस्ल विशेष रूप से शुष्क और अर्द्ध-शुष्क क्षेत्रों के लिए उपयुक्त है, जिससे यह राजस्थान में सामान्य है।

**Q.62** राजस्थान के निम्नलिखित दो जिलों में से किसमें तालाबों द्वारा सिंचित क्षेत्र सर्वाधिक है?

- A. अलवर और जयपुर  
B. भरतपुर और पाली  
C. सवाई माधोपुर और जयपुर  
D. उदयपुर और टोंक

**Answer:** A

**Sol:** सही उत्तर है विकल्प (a) अलवर और जयपुर।

**व्याख्या (Explanation):**

राजस्थान के राज्य सिंचाई योजना (SIP) और विभिन्न जल प्रबंधन अध्ययन के अनुसार, अलवर और जयपुर जिलों में तालाबों द्वारा सिंचाई के लिए सबसे अधिक क्षेत्र है। इन दो जिलों में जल प्रबंधन प्रणाली अत्यधिक विकसित है, जिसमें कई खेत तालाई (Khet Talai) शामिल हैं, जो सूखे मौसम के दौरान सिंचाई में मदद करती हैं। इन क्षेत्रों में तालाब सिंचाई महत्वपूर्ण है, क्योंकि इनका जलवायु अर्द्ध-रेगिस्तानी है।

जयपुर और अलवर दोनों में कृषि गतिविधियाँ बहुतायत में हैं, और इन जल संसाधनों पर निर्भरता इनके कृषि कार्यों को बनाए रखने में सहायक होती है।

**Information Booster:**

- **अलवर और जयपुर:** दोनों जिलों में तालाबों द्वारा सिंचाई के लिए एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है, जो इन्हें राज्य में प्रमुख बनाता है।
- **भरतपुर और पाली:** ये जिले कृषि दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं, लेकिन इन्हें तालाबों द्वारा सिंचाई के लिए विशेष रूप से नहीं जाना जाता।
- **सवाई माधोपुर और जयपुर:** सवाई माधोपुर अपने वन्यजीव अभ्यारण और वन क्षेत्रों के लिए प्रसिद्ध है, न कि तालाब आधारित सिंचाई के लिए।
- **उदयपुर और टोंक:** जबकि उदयपुर सिंचाई के लिए महत्वपूर्ण है, यह तालाब आधारित सिंचाई में अलवर और जयपुर की तुलना में प्रमुख नहीं है।

**Q.63** नीचे दिए गए मंडोर के कौन से प्रतिहार शासक व्याकरण, तर्कशास्त्र, ज्योतिष, कला और काव्य रचनाशीलता में निपुण थे और उन्हें स्पष्ट रूप से एक से अधिक भाषाओं में प्रसिद्ध कवि के रूप में स्वीकार किया गया था?

Ask ChatGPT

- A. झोटा
- B. भिलादित्य
- C. कक्ष
- D. बाउका

**Answer:** B**Sol:** सही उत्तर है (b) भिलादित्य।**व्याख्या:**

भिलादित्य मंडोर के एक प्रमुख प्रतिहार शासक थे, जो व्याकरण, तर्कशास्त्र, ज्योतिष, कला, और काव्य रचनाशीलता जैसे विभिन्न बौद्धिक क्षेत्रों में निपुण थे। उन्हें एक से अधिक भाषाओं में प्रसिद्ध कवि के रूप में भी स्वीकार किया गया था। उनके साहित्य और विद्वता के योगदान ने उन्हें इतिहास में एक महत्वपूर्ण स्थान दिलाया, विशेष रूप से प्रतिहार वंश के शासनकाल के दौरान।

**Additional Knowledge:**

- **प्रतिहार वंश:** प्रतिहार वंश मध्यकालीन भारत की प्रमुख राजवंशों में से एक था, विशेष रूप से राजस्थान में। वे कला और विद्या के संरक्षक थे, और उनके कई शासक महान विद्वान और कवि भी थे।
- **बौद्धिक योगदान:** भिलादित्य की साहित्य और विभिन्न विद्वतापूर्ण गतिविधियों में भागीदारी ने उन्हें महत्वपूर्ण बना दिया, जिससे उनके समय की सांस्कृतिक और बौद्धिक जीवन को समृद्धि मिली।

**Q.64** राजस्थान में पाई जाने वाली निम्नलिखित में से कौन सी प्रजाति IUCN रेड लिस्ट और राष्ट्रीय वन्यजीव कार्य योजना (2002-2016) में गंभीर रूप से लुप्तप्राय प्रजातियों में से एक है?

- A. चिंकारा
- B. काला हिरण
- C. ग्रेट इंडियन बस्टर्ड
- D. महान भारतीय चित्तीदार चील

**Answer:** C**Sol:** सही उत्तर है विकल्प (c) ग्रेट इंडियन बस्टर्ड।**व्याख्या (Explanation):**

ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (*Ardeotis nigricaps*) एक अत्यंत संकटग्रस्त प्रजाति है जिसे IUCN रेड लिस्ट में "क्रिटिकली एंडेंजर्ड" के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। यह पक्षी राजस्थान का मूल निवासी है और यह निवास स्थान की हानि, शिकार, और मानव गतिविधियों के कारण खतरे में है। राजस्थान, विशेषकर थार रेगिस्तान क्षेत्र, में ग्रेट इंडियन बस्टर्ड की एक छोटी जनसंख्या पाई जाती है। इस प्रजाति के संरक्षण के लिए प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन यह अब भी संकटग्रस्त बनी हुई है।

**Information Booster:**

- **ग्रेट इंडियन बस्टर्ड:** IUCN रेड लिस्ट में संकटग्रस्त के रूप में सूचीबद्ध और राष्ट्रीय वन्यजीव क्रियावली योजना (2002-2016) में शामिल है।
- **निवास स्थान:** यह पक्षी मुख्य रूप से राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र के सूखे घास के मैदानों में पाया जाता है।
- **संरक्षण प्रयास:** यह पक्षी भारतीय वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के तहत संरक्षित है, और प्रजनन कार्यक्रमों की स्थापना के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।
- **खतरे:** निवास स्थान का विनाश, शिकार, और बिजली की लाइनें इस पक्षी के अस्तित्व के लिए खतरे का कारण बनती हैं।

**Q.65** बेराच, कोठारी और खारी निम्नलिखित में से किस नदी की सहायक नदियाँ हैं?

- A. घग्गर
- B. बनास
- C. लूनी
- D. ब्यास

**Answer:** B**Sol:** सही उत्तर है विकल्प (b) बनास।

**व्याख्या (Explanation):**

बेराच, कोठारी, और खारी नदियाँ बनास नदी की सहायक नदियाँ हैं, जो राजस्थान की एक महत्वपूर्ण नदी है। बनास नदी चंबल नदी की एक प्रमुख सहायक नदी है और यह राजस्थान के पूर्वी हिस्से से बहती है। ये सहायक नदियाँ बनास नदी के जल प्रवाह में योगदान करती हैं, जो अंततः चंबल नदी में मिल जाती है।

**Information Booster:**

- बेराच, कोठारी, और खारी: ये बनास नदी की सहायक नदियाँ हैं।
- बनास नदी: यह राजस्थान की एक प्रमुख नदी है, जो अरावली रेंज से निकलकर चंबल नदी में मिल जाती है।
- राजस्थान की अन्य प्रमुख नदियाँ: लूनी और घग्गर नदियाँ भी इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण हैं, लेकिन इनमें उपर्युक्त सहायक नदियाँ शामिल नहीं हैं।

**Additional Information:**

- चंबल नदी: यह मध्य प्रदेश और राजस्थान के बीच बहने वाली प्रमुख नदी है, जो यमुना नदी में मिलती है।
- लूनी नदी: यह राजस्थान की दूसरी महत्वपूर्ण नदी है, लेकिन यह बनास, बेराच, कोठारी या खारी से जुड़ी नहीं है।

**Q.66** अरावली पर्वत श्रृंखला की सबसे ऊँची चोटी 'गुरु शिखर' राजस्थान में \_\_\_\_\_ के पास स्थित है।

- बीकानेर
- जोधपुर
- पाली
- माउंट आबू

**Answer:** D

**Sol:** सही उत्तर है विकल्प (d) माउंट आबू।

**व्याख्या:**

अरावली पर्वत श्रृंखला की सबसे ऊँची चोटी, जिसे गुरु शिखर कहा जाता है, राजस्थान के माउंट आबू के पास स्थित है। गुरु शिखर अरावली पर्वत श्रृंखला का सबसे ऊँचा बिंदु है, जो समुद्र तल से 1,722 मीटर (5,650 फीट) की ऊँचाई पर स्थित है। माउंट आबू राजस्थान का एकमात्र हिल स्टेशन है और यहां का ठंडा मौसम और सुंदर दृश्य इसे एक लोकप्रिय पर्यटक स्थल बनाते हैं।

**Information Booster:**

- **गुरु शिखर:** अरावली श्रृंखला की सबसे ऊँची चोटी, जो माउंट आबू के पास स्थित है।
- **माउंट आबू:** राजस्थान का प्रसिद्ध हिल स्टेशन, जो अपनी ठंडी जलवायु और सुंदर दृश्य के लिए जाना जाता है।
- **अरावली श्रृंखला:** यह दुनिया की सबसे पुरानी पर्वत श्रृंखलाओं में से एक है, जो दिल्ली से लेकर गुजरात तक फैली हुई है।

**Additional Knowledge:**

- गुरु शिखर एक प्रसिद्ध तीर्थ स्थल है, क्योंकि यहां एक गुरु शिखर मंदिर है, जो भगवान दत्तात्रेय को समर्पित है।
- माउंट आबू अपनी दिलवाड़ा मंदिरों के लिए भी प्रसिद्ध है, जो अपनी शानदार संगमरमर की नक्काशी के लिए प्रसिद्ध हैं।

**Q.67** 1945-46 में अखिल भारतीय राज्य पीपुल्स कॉन्फ्रेंस (AISPC) किस स्थान पर आयोजित की गई थी जिसमें कहा गया था कि केवल उन राज्यों या राज्य समूहों को स्वतंत्र इकाई का दर्जा दिया जाना चाहिए जिनकी न्यूनतम जनसंख्या पचास लाख और राजस्व तीन करोड़ रुपये या उससे अधिक हो?

- A. उदयपुर
- B. जयपुर
- C. बीकानेर
- D. जोधपुर

**Answer:** A

**Sol:** सही उत्तर है विकल्प (a) उदयपुर।  
**व्याख्या:**

ऑल इंडिया स्टेट पीपल्स कांफ्रेंस (AISPC) 1945-46 में उदयपुर में आयोजित किया गया था। इस सम्मेलन में यह कहा गया था कि केवल वे राज्य या राज्य समूह जिन्हें पचास लाख की न्यूनतम जनसंख्या और तीन करोड़ रुपये या उससे अधिक की राजस्व आय हो, उन्हें स्वतंत्र और संघीय भारत में एक स्वतंत्र इकाई का दर्जा दिया जाना चाहिए। यह सम्मेलन भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान रियासतों के भविष्य के बारे में चर्चा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा था, खासकर स्वतंत्रता के बाद उनके भारतीय संघ में विलय के संदर्भ में।

**Information Booster:**

- **AISPC का उदयपुर में आयोजन (1945-46):** यह सम्मेलन रियासतों के भारतीय संघ में विलय और उनकी राजनीतिक स्थिति पर विचार करने के लिए एक महत्वपूर्ण राजनीतिक घटना थी।
- **न्यूनतम जनसंख्या और राजस्व:** प्रस्ताव में स्वतंत्र राज्य का दर्जा प्राप्त करने के लिए जनसंख्या और राजस्व के मानदंडों का उल्लेख था।
- **रियासतें:** सम्मेलन ने भारतीय स्वतंत्रता और संघीय ढांचे के संदर्भ में रियासतों की राजनीतिक स्थिति को संबोधित करने की आवश्यकता को दर्शाया।

**Additional Knowledge:**

- **ऑल इंडिया स्टेट पीपल्स कांफ्रेंस:** यह रियासतों के भविष्य पर चर्चा करने के लिए एक मंच था, जिसमें वे भारतीय संघ में अपनी स्थिति के लिए अधिक स्वायत्तता और अधिकारों की मांग कर रहे थे।
- **उदयपुर:** राजस्थान के दक्षिणी भाग में स्थित उदयपुर को भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के संदर्भ में अपनी ऐतिहासिक और राजनीतिक महत्त्वता के लिए जाना जाता है।

**Q.68** भारत की 2011 की जनगणना के अनुसार, राजस्थान के किस जिले में जनसंख्या वृद्धि दर सबसे अधिक थी?

- A. बाड़मेर
- B. बीकानेर
- C. जैसलमेर
- D. जोधपुर

**Answer:** A

**Sol:** सही उत्तर है (a) बाड़मेर  
**स्पष्टीकरण:**

2011 की भारत की जनगणना के अनुसार, बाड़मेर जिले में राजस्थान में सबसे ज्यादा दशकीय जनसंख्या वृद्धि दर 32.52% दर्ज की गई। यह दर राज्य की औसत दशकीय वृद्धि दर, जो 21.31% थी, से काफी ज्यादा थी।

बाड़मेर की जनसंख्या 2001 में 1,964,835 से बढ़कर 2011 में 2,603,751 हो गई।

इस उच्च वृद्धि का श्रेय अक्सर क्षेत्र में उच्च प्रजनन दर और तेल और गैस की खोज के कारण बढ़ी हुई आर्थिक गतिविधि जैसे कारकों को दिया जाता है। बाड़मेर के बाद, दूसरी सबसे ज्यादा वृद्धि दर वाला जिला जैसलमेर था, जिसकी दर 31.81% थी।

**Information Booster:**

बाड़मेर के विपरीत, गंगानगर जिले में राजस्थान में सबसे कम दशकीय जनसंख्या वृद्धि दर सिर्फ 10.0% दर्ज की गई। 2001 और 2011 की जनगणना के बीच राजस्थान की कुल जनसंख्या में लगभग 1.2 करोड़ लोगों की वृद्धि हुई।

**Additional Knowledge:**

(b) बीकानेर (विकल्प b)

बीकानेर में लगभग 24.3% की दशकीय वृद्धि दर दर्ज की गई, जो राज्य के औसत से ज्यादा है लेकिन बाड़मेर और जैसलमेर से कम है।

यह क्षेत्रफल के हिसाब से राजस्थान का चौथा सबसे बड़ा जिला है।

(c) जैसलमेर (विकल्प c)

जैसलमेर में राज्य में दूसरी सबसे ज्यादा वृद्धि दर 31.81% थी।

उच्च वृद्धि के बावजूद, यह अपने विशाल रेगिस्तानी क्षेत्र के कारण राजस्थान में सबसे कम जनसंख्या घनत्व वाला जिला बना हुआ है (17 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी)।

(d) जोधपुर (विकल्प d)

जोधपुर में 27.7% की वृद्धि दर दर्ज की गई।

यह जयपुर के बाद राजस्थान का दूसरा सबसे ज्यादा आबादी वाला जिला है और इसे "सन सिटी" या "ब्लू सिटी" के नाम से जाना जाता है।

**Q.69** भारत में राजस्थान निम्नलिखित में से किस खनिज का एकमात्र उत्पादक है?

- A. यूरेनियम
- B. कार्टज
- C. वोलास्टोनाइट
- D. मैग्नेटाइट

**Answer:** C

**Sol:** सही उत्तर है विकल्प (c) वोलास्टोनाइट (Wollastonite)।

**व्याख्या:**

राजस्थान भारत में वोलास्टोनाइट का एकमात्र उत्पादक राज्य है। वोलास्टोनाइट एक खनिज है जिसका विभिन्न उद्योगों में उपयोग होता है, जैसे सिरेमिक, पेंट, प्लास्टिक, और विशेष स्टील्स के उत्पादन में कच्चे माल के रूप में। राजस्थान, विशेष रूप से उदयपुर जैसे क्षेत्रों में, इस खनिज के भंडार हैं और यह भारत में इसके उत्पादन में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

**Information Booster**

- **वोलास्टोनाइट:** एक अनूठा खनिज है जिसे मुख्य रूप से राजस्थान में खनिज किया जाता है और इसके महत्वपूर्ण भंडार हैं।
- **उपयोग:** इसका उपयोग सिरेमिक, घर्षण उत्पादों, पेंट, प्लास्टिक, और विशेष स्टील्स के उत्पादन में किया जाता है।
- **अन्य खनिज:** राजस्थान कार्टज, मैग्नेटाइट, और यूरेनियम का भी प्रमुख उत्पादक है, लेकिन भारत में इन खनिजों का उत्पादन करने वाले अन्य राज्य भी हैं।

**Additional Knowledge**

- **यूरेनियम:** जबकि राजस्थान में यूरेनियम के भंडार हैं, यह भारत में एकमात्र उत्पादक राज्य नहीं है। यूरेनियम अन्य राज्यों जैसे झारखंड और आंध्र प्रदेश में भी खनिज किया जाता है।
- **कार्टज:** राजस्थान कार्टज का प्रमुख उत्पादक है, लेकिन यह भारत में एकमात्र राज्य नहीं है जिसमें इस खनिज के महत्वपूर्ण भंडार हैं।

**Q.70** राजस्थान के प्राचीन शहर शाकंभरी (अब सांभर) की स्थापना सातवीं शताब्दी में \_\_\_\_\_ नामक चौहान राजा ने की थी।

- A. वासुदेव
- B. सामंतदेव
- C. सोमेश्वर
- D. विग्रहराज

**Answer:** A

**Sol:** सही उत्तर है: (a) वासुदेव

व्याख्या:

शाकंभरी का प्राचीन नगर (वर्तमान में राजस्थान का सांभर) चौहान राजा वासुदेव द्वारा स्थापित किया गया था। उन्हें शाकंभरी के चहमान (चौहान) वंश का संस्थापक माना जाता है।

ऐतिहासिक अभिलेखों के अनुसार, उन्होंने 6वीं या 7वीं शताब्दी ईस्वी में इस राज्य की स्थापना की। बिजोलिया अभिलेख (1170 ई.) में वासुदेव को वंश का संस्थापक बताया गया है तथा यह भी उल्लेख है कि उन्होंने सांभर झील का निर्माण कराया।

विभिन्न वंशावलियों में, जिनमें *पृथ्वीराज विजय* भी शामिल है, वासुदेव को इस वंश का सबसे प्रारंभिक शासक बताया गया है।

सूचना-वर्धक तथ्य:

- शाकंभरी के चहमानों ने 6वीं से 12वीं शताब्दी के बीच वर्तमान राजस्थान और आसपास के क्षेत्रों पर शासन किया।
- उनकी प्रारंभिक राजधानी शाकंभरी (सांभर) थी, जिसे बाद में 12वीं शताब्दी में अजयमेरु (अजमेर) स्थानांतरित किया गया।
- यह वंश अपने उत्कर्ष पर विग्रहराज चतुर्थ और पृथ्वीराज तृतीय (पृथ्वीराज चौहान) के शासनकाल में पहुँचा।
- शाकंभरी देवी चौहान वंश की कुलदेवी थीं।
- उनके राज्य क्षेत्र को ऐतिहासिक रूप से सपादलक्ष कहा जाता था।

अतिरिक्त जानकारी :

समंतदेव (विकल्प b):

- वे चहमान वंश के उत्तरवर्ती शासक थे और वासुदेव के वंशज माने जाते हैं।
- उनका शासन 7वीं शताब्दी की स्थापना अवधि के काफी बाद का था।

सोमेश्वर (विकल्प c):

- सोमेश्वर का शासनकाल लगभग 1169 से 1177 ई. तक माना जाता है।
- वे प्रसिद्ध राजा पृथ्वीराज तृतीय के पिता थे।

विग्रहराज (विकल्प d):

- यह नाम वंश के कई शासकों के लिए प्रयुक्त हुआ, जिनमें सबसे प्रसिद्ध विग्रहराज चतुर्थ (विशालदेव) हैं।
- उनका शासनकाल लगभग 1150-1164 ई. था।
- उन्होंने तोमर शासकों से दिल्ली (दिल्ली) पर अधिकार किया और *हरिकेली नाटक* की रचना की।

**Q.71** राजस्थान के निम्नलिखित जिलों में से किसका जनसंख्या घनत्व सबसे कम है?

- A. श्री गंगानगर
- B. पाली
- C. चुरू
- D. जालौर

**Answer:** C

**Sol:** सही उत्तर है विकल्प (c) चुरू।

**व्याख्या:**

क्षेत्र की जनसंख्या घनत्व उस क्षेत्र में प्रति वर्ग किलोमीटर रहने वाले व्यक्तियों की संख्या को परिभाषित करता है। 2011 की जनगणना के आंकड़ों के अनुसार, संबंधित जिलों की जनसंख्या घनत्व इस प्रकार है:

- **चुरू:** 148 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर
- **श्री गंगानगर:** 179 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर
- **जालौर:** 172 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर
- **पाली:** 164 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर

इनमें, **चुरू** का जनसंख्या घनत्व सबसे कम है, जो केवल 148 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है।

**Additional Knowledge:**

- **चुरू:** यह राजस्थान के शेखावटी क्षेत्र में स्थित है। यह अपने समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर, विशेष रूप से उसकी चित्रकला और हवेलियों के लिए प्रसिद्ध है। शेखावटी क्षेत्र का हिस्सा होने के बावजूद, यहां के बड़े ग्रामीण क्षेत्र और सीमित शहरीकरण के कारण जनसंख्या घनत्व कम है। चुरू की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से कृषि पर आधारित है, खासतौर से गेहूं और सरसों की खेती, साथ ही कुछ पशुपालन भी होता है।
- **श्री गंगानगर:** यह राजस्थान के उत्तरतम हिस्से में स्थित है और इसे "राजस्थान का खाद्य कटोरा" कहा जाता है क्योंकि यहां की सिंचाई प्रणाली गंगा नहर द्वारा समर्थित है। इस क्षेत्र की उपजाऊ भूमि और अधिक शहरीकरण के कारण यहां का जनसंख्या घनत्व चुरू से अधिक है (179 लोग/km<sup>2</sup>), जिससे यह क्षेत्र कृषि उत्पादन में प्रमुख है।
- **जालौर:** इसे "ग्रेनाइट शहर" के रूप में जाना जाता है। यह एक महत्वपूर्ण औद्योगिक केंद्र है, खासतौर से ग्रेनाइट खनन के लिए। इसका जनसंख्या घनत्व 172 लोग/km<sup>2</sup> है, जो चुरू से अधिक है, लेकिन श्री गंगानगर और पाली से कम है। यह क्षेत्र खनन और औद्योगिक क्षेत्रों के विकास के कारण शहरीकरण में बढ़ोतरी देख रहा है।
- **पाली:** यह राजस्थान के पश्चिमी हिस्से में स्थित एक औद्योगिक केंद्र है, जो अपनी वस्त्र उद्योग के लिए प्रसिद्ध है। इस जिले का जनसंख्या घनत्व 164 लोग/km<sup>2</sup> है, जो श्री गंगानगर से कम है, लेकिन चुरू से अधिक है। पाली का जनसंख्या घनत्व इसके औद्योगिकीकरण और शहरीकरण को दर्शाता है।

**Q.72** राजस्थान का एक प्रमुख रासायनिक औद्योगिक परिसर निम्नलिखित में से किस स्थान पर स्थित है?

- A. बीकानेर
- B. कोटा
- C. जालौर
- D. बाड़मेर

**Answer:** B

**Sol:** सही उत्तर है विकल्प (b) कोटा।

**व्याख्या:**

कोटा राजस्थान के एक प्रमुख रासायनिक औद्योगिक केंद्र के रूप में जाना जाता है। यह एक महत्वपूर्ण औद्योगिक शहर है, जो अपनी बड़े पैमाने पर रासायनिक उत्पादन और निर्माण गतिविधियों के लिए प्रसिद्ध है। कोटा का रासायनिक उद्योग मुख्य रूप से उर्वरकों, रसायनों और संबंधित उत्पादों के उत्पादन में शामिल है।

कोटा में रासायनिक संयंत्रों सहित बड़े उद्योगों की उपस्थिति ने इसके औद्योगिक विकास में योगदान किया है, जिससे यह राजस्थान के प्रमुख औद्योगिक हब में से एक बन गया है। यह कई प्रमुख रासायनिक कंपनियों और उद्योगों का घर है, जो फॉस्फेटिक और नाइट्रोजनयुक्त उर्वरकों के उत्पादन में लगे हुए हैं।

**Information Booster:**

- **कोटा:** प्रमुख रासायनिक औद्योगिक परिसर के लिए जाना जाता है, जिसमें उर्वरक और रासायनिक निर्माण शामिल हैं।
- **बीकानेर:** कृषि और वस्त्र उद्योग में योगदान के लिए प्रसिद्ध है, लेकिन इसका रासायनिक औद्योगिक क्षेत्र प्रमुख नहीं है।

- **जालौर:** मुख्य रूप से अपने ग्रेनाइट उद्योग के लिए जाना जाता है, रासायनिक उद्योग का प्रमुख हब नहीं है।
- **बाड़मेर:** तेल और खनिज निष्कर्षण उद्योग के लिए प्रसिद्ध है, लेकिन इसका रासायनिक औद्योगिक परिसर प्रमुख नहीं है।

**Q.73** भारत की 2011 की जनगणना के अनुसार, राजस्थान के शहरी क्षेत्रों में लिंगानुपात (प्रति 1000 पुरुषों पर महिलाओं की संख्या) क्या था?

- A. 888
- B. 914
- C. 928
- D. 921

**Answer:** B

**Sol:** सही उत्तर है (b) 914

**व्याख्या:**

भारत की 2011 की जनगणना के अनुसार, राजस्थान के शहरी क्षेत्रों में लिंगानुपात **914** था, अर्थात् प्रति 1000 पुरुषों पर 914 महिलाएँ थीं।

इसके मुकाबले, राजस्थान के ग्रामीण क्षेत्रों में लिंगानुपात काफी अधिक **933** दर्ज किया गया।

राज्य का कुल (ग्रामीण + शहरी) लिंगानुपात 2011 में **928** रहा, जो 2001 के आँकड़े **921** की तुलना में बेहतर था।

शहरी क्षेत्रों में कम लिंगानुपात का मुख्य कारण प्रायः रोज़गार और शिक्षा के लिए ग्रामीण क्षेत्रों से शहरी क्षेत्रों की ओर पुरुषों का चयनात्मक पलायन माना जाता है।

ज़िलों में, टोंक में राजस्थान का सबसे अधिक शहरी लिंगानुपात **985** दर्ज किया गया, जबकि जैसलमेर में सबसे कम **807** रहा।

## सूचना संवर्धक (Information Booster):

राजस्थान के शहरी क्षेत्रों में बाल लिंगानुपात (0-6 वर्ष) और भी कम था, जो **874** दर्ज किया गया।

राष्ट्रीय स्तर पर, भारत का शहरी लिंगानुपात **929** था, यानी राजस्थान का शहरी लिंगानुपात (**914**) राष्ट्रीय औसत से कम था।

## अतिरिक्त जानकारी (Additional Knowledge):

**888 (विकल्प a)**

यह 2011 की जनगणना के अनुसार राजस्थान राज्य का बाल लिंगानुपात (0-6 वर्ष) है। यह 2001 के बाल लिंगानुपात **909** की तुलना में गिरावट को दर्शाता है।

**928 (विकल्प c)**

यह 2011 की जनगणना के अनुसार राजस्थान का कुल (समग्र) लिंगानुपात है। यह ग्रामीण (**933**) और शहरी (**914**) आबादी का औसत है।

**921 (विकल्प d)**

यह 2001 की जनगणना के अनुसार राजस्थान का कुल लिंगानुपात था। 2001 से 2011 के बीच राज्य के कुल लिंगानुपात में **7 अंकों की वृद्धि** हुई।

**Q.74** राजस्थान में सड़क घनत्व (प्रति किलोमीटर प्रति कुल क्षेत्रफल) कितना है?

- A. 50.5
- B. 65.78
- C. 78.61
- D. 152.04

**Answer:** C

**Sol:** सही उत्तर है विकल्प (c) 78.61।

**व्याख्या:**

मार्च 2020 तक, राजस्थान की सड़क घनत्व **78.61 किलोमीटर प्रति 100 वर्ग किलोमीटर** थी। यह मीट्रिक राज्य के भौगोलिक आकार के मुकाबले सड़क बुनियादी ढांचे के विस्तार को दर्शाता है, जो क्षेत्र के भीतर पहुंच और कनेक्टिविटी को प्रभावित करता है। सड़क घनत्व बुनियादी ढांचे के विकास का एक महत्वपूर्ण संकेतक है, जो आर्थिक गतिविधियों, सेवाओं तक पहुंच और समग्र क्षेत्रीय विकास को प्रभावित करता है।

#### Information Booster:

- **सड़क घनत्व:** यह प्रति इकाई क्षेत्र (आमतौर पर 100 वर्ग किलोमीटर प्रति) कुल सड़क की लंबाई को मापता है।
- **राजस्थान की सड़क घनत्व:** मार्च 2020 तक यह 78.61 किलोमीटर/100 वर्ग किलोमीटर थी, जो सड़क बुनियादी ढांचे के विकास के मध्यम स्तर को दर्शाता है।
- **राष्ट्रीय तुलना:** राष्ट्रीय औसत सड़क घनत्व लगभग **152.04 किलोमीटर/100 वर्ग किलोमीटर** है, जो यह संकेत करता है कि राजस्थान का सड़क बुनियादी ढांचा राष्ट्रीय औसत के मुकाबले कम घना है।
- **प्रभाव:** उच्च सड़क घनत्व अक्सर बेहतर कनेक्टिविटी से संबंधित होता है, जो व्यापार, गतिशीलता और सेवाओं तक पहुंच को सुविधाजनक बनाता है।
- **विकास लक्ष्य:** सड़क घनत्व को बढ़ाना राजस्थान के बुनियादी ढांचे के विकास योजनाओं का एक प्रमुख क्षेत्र है, ताकि कनेक्टिविटी में सुधार हो और आर्थिक वृद्धि को समर्थन मिले।

#### Additional Knowledge:

- **(a) 50.5:** 50.5 किलोमीटर/100 वर्ग किलोमीटर का सड़क घनत्व अपेक्षाकृत कम होगा, जो सीमित सड़क बुनियादी ढांचे को दर्शाता है। राजस्थान का वास्तविक सड़क घनत्व **78.61 किलोमीटर/100 वर्ग किलोमीटर** है, जो बेहतर कनेक्टिविटी को दर्शाता है।
- **(b) 65.78:** 65.78 किलोमीटर/100 वर्ग किलोमीटर का सड़क घनत्व मध्यम स्तर का है, लेकिन यह राजस्थान के वास्तविक सड़क घनत्व **78.61 किलोमीटर/100 वर्ग किलोमीटर** से कम है।
- **(c) 78.61:** यह सही आंकड़ा है, जो राजस्थान की सड़क घनत्व को दर्शाता है।

**Q.75** ग्रामीण पुनर्निर्माण के कार्यक्रम को लागू करने के लिए समर्पित सामाजिक कार्यकर्ताओं के एक समूह को प्रशिक्षित करने हेतु राजस्थान राज्य के पहले मुख्यमंत्री हीरालाल शास्त्री द्वारा 1929 में वनस्थली गांव में निम्नलिखित में से किसकी स्थापना की गई थी?

- ग्राम कुटीर
- जीवन कुटीर
- जीवन आश्रम
- गांधी आश्रम

**Answer:** B

**Sol:** सही उत्तर है **(b) जीवन कुटीर**।

**व्याख्या:**

**1929** में, **हिरालाल शास्त्री**, जो राजस्थान के पहले मुख्यमंत्री थे, ने **जीवन कुटीर** की स्थापना की थी, जो **बानस्थली**, जयपुर से 72 किमी दूर एक पिछड़े और दूरदराज के गांव में स्थित था। **जीवन कुटीर** का उद्देश्य ग्रामीण पुनर्निर्माण के लिए समर्पित सामाजिक कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करना था। इस पहल का मकसद ग्रामीण समुदायों को **शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण, और सामाजिक सुधारों** के माध्यम से सशक्त बनाना था।

इसके बाद, **1935** में, **हिरालाल शास्त्री** और **रतन शास्त्री** ने, साथ ही स्वतंत्रता सेनानी **दुर्गादत्त हरित** के सक्रिय समर्थन से, **बानस्थली विद्यापीठ** की स्थापना की। यह विद्यापीठ **हिरालाल शास्त्री** की बेटी **शांता बाई** की याद में बनाई गई थी, जिनका असमय निधन हो गया था। **बानस्थली विद्यापीठ** की स्थापना का उद्देश्य **महिलाओं की शिक्षा** को बढ़ावा देना और ग्रामीण विकास और सामाजिक प्रगति के लिए एक प्रकाश स्तंभ के रूप में काम करना था, जो **जीवन कुटीर** से शुरू हुई ग्रामीण सशक्तिकरण की धारा को आगे बढ़ाता है।

**Key Points:**

- **जीवन कुटीर** की स्थापना 1929 में **हिरालाल शास्त्री** ने **बानस्थली** में की थी, जिसका उद्देश्य **ग्रामीण पुनर्निर्माण** और **सामाजिक कार्यकर्ताओं** को प्रशिक्षित करना था।
- **बानस्थली विद्यापीठ** की स्थापना **1935** में शांता बाई की याद में की गई थी, और यह **महिलाओं की शिक्षा** और **ग्रामीण विकास** के कार्य को आगे बढ़ाने के लिए स्थापित किया गया था।

**Q.76** राजस्थान में विधायक स्थानीय क्षेत्र विकास कार्यक्रम (MLALAD) के तहत अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति (SC/ST) बस्तियों के विकास के लिए अनुशंसित कुल वार्षिक आवंटित राशि का न्यूनतम प्रतिशत क्या है?

- 10
- 20
- 30
- 40

**Answer:** B

**Sol:** सही उत्तर है विकल्प (b) 20।

**व्याख्या:**

राजस्थान में विधायक स्थानीय क्षेत्र विकास कार्यक्रम (MLALAD) के तहत, कुल वार्षिक आवंटित राशि का कम से कम 20% अनुसूचित जाति (SC) और अनुसूचित जनजाति (ST) बस्तियों के विकास के लिए आवंटित करने की सिफारिश की गई है। यह आवंटन सुनिश्चित करता है कि हाशिये पर रहने वाले समुदायों को उनकी विकास आवश्यकताओं, जैसे कि बुनियादी ढांचा, मूलभूत सेवाएं और अन्य कल्याणकारी पहलों के लिए पर्याप्त ध्यान और फंडिंग प्राप्त हो।

**Information Booster:**

- **MLALAD** एक कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य स्थानीय निर्वाचित प्रतिनिधियों (विधायकों) की मदद से निर्वाचन क्षेत्रों का विकास सुनिश्चित करना है।
- **SC/ST बस्तियों के लिए 20% सिफारिश** इन समुदायों की आवश्यकताओं को संबोधित करने और लक्षित विकास प्रयासों के माध्यम से उनके जीवन स्तर में सुधार लाने के लिए की गई है।
- यह पहल राजस्थान के सामाजिक कल्याण पर व्यापक ध्यान केंद्रित करने और समाज के सभी वर्गों, विशेष रूप से ऐतिहासिक रूप से वंचित समुदायों, के बीच समान विकास सुनिश्चित करने का हिस्सा है।

**Q.77** राजस्थान राज्य न्यायिक अकादमी \_\_\_\_\_ में स्थित है।

- जयपुर
- जोधपुर
- बीकानेर
- अलवर

**Answer:** B

**Sol:** सही उत्तर है विकल्प (b) जोधपुर।

**व्याख्या:**

राजस्थान राज्य न्यायिक अकादमी जोधपुर, राजस्थान में स्थित है। यह राज्य में न्यायिक अधिकारियों और कानूनी पेशेवरों को प्रशिक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। अकादमी न्यायधीशों और कानूनी समुदाय के अन्य सदस्य के कौशल और ज्ञान को बढ़ाने के लिए शैक्षिक कार्यक्रम, कार्यशालाएँ और सेमिनार प्रदान करती है, जो राजस्थान के न्यायिक प्रणाली के सुधार में योगदान करती है।

**Information Booster:**

- अकादमी **झलामंद सर्कल, पुराने पाली रोड, जोधपुर** के पास स्थित है।
- यह न्यायिक अधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान करती है ताकि वे न्याय वितरण में अपनी दक्षता को सुधार सकें।
- **राजस्थान राज्य न्यायिक अकादमी** का उद्देश्य आधुनिक प्रथाओं को बढ़ावा देना और न्यायपालिका को कानूनों और न्यायिक प्रक्रियाओं में बदलाव के बारे में अच्छी तरह से सूचित रखना है।

**Q.78** राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग में \_\_\_\_\_ की अध्यक्षता में अपनी स्वयं की एक जांच एजेंसी का प्रावधान है।

- अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के पद से नीचे का पुलिस अधिकारी नहीं
- पुलिस अधीक्षक के पद से नीचे का पुलिस अधिकारी नहीं
- उप महानिरीक्षक के पद से नीचे का पुलिस अधिकारी नहीं
- एक पुलिस अधिकारी जो महानिरीक्षक के पद से नीचे का न हो

**Answer:** B

**Sol:** सही उत्तर है विकल्प (b) एक पुलिस अधिकारी जो पुलिस अधीक्षक (Superintendent of Police) के पद से कम न हो।

**व्याख्या:**

राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग (RSHRC) में एक जांच एजेंसी की व्यवस्था है, जो मानवाधिकार उल्लंघनों से संबंधित जांच करने के लिए जिम्मेदार है। इस एजेंसी का नेतृत्व एक **पुलिस अधिकारी** करता है जो **पुलिस अधीक्षक** (Superintendent of Police) के पद से कम नहीं होता। यह सुनिश्चित करता है कि जांच एक वरिष्ठ और सक्षम अधिकारी द्वारा की जाए, जो मानवाधिकार से संबंधित संवेदनशील और गंभीर मामलों को संभालने में सक्षम हो।

**Information Booster:**

- राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग एक **विधायी निकाय** है जो मानवाधिकारों की रक्षा करने और उल्लंघनों की शिकायतों की जांच करने के लिए काम करता है।

- **RSHRC** के भीतर की जांच एजेंसी राज्य में मानवाधिकारों के उल्लंघन के आरोपों की जांच करने का काम करती है, और यह एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारों का देखरेख में किया जाता है।
- **पुलिस अधीक्षक** का कार्य जांच की स्वतंत्रता और अधिकार सुनिश्चित करना है, जिससे यह निष्पक्ष और पूरी तरह से की जाती है।
- आयोग को **सुओ मोटो** (स्वतः संज्ञान लेने) मानवाधिकार उल्लंघनों का अधिकार है और यह जनता द्वारा प्रस्तुत याचिकाओं पर भी कार्रवाई करता है।

**Additional Knowledge:**

- **(a) एक पुलिस अधिकारी जो अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (Additional Superintendent of Police) के पद से कम न हो:**  
हालांकि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ASP) एक वरिष्ठ अधिकारी होता है, लेकिन प्रावधान में विशेष रूप से कहा गया है कि राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग की जांच एजेंसी का नेतृत्व पुलिस अधीक्षक द्वारा किया जाता है, न कि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक द्वारा।
- **(b) एक पुलिस अधिकारी जो पुलिस अधीक्षक (Superintendent of Police) के पद से कम न हो:**  
यह सही प्रावधान है। राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग की एक समर्पित जांच एजेंसी है, जिसका नेतृत्व पुलिस अधीक्षक द्वारा किया जाता है। यह पद यह सुनिश्चित करता है कि अधिकारी के पास गंभीर मानवाधिकार उल्लंघनों को संभालने के लिए पर्याप्त अनुभव और अधिकार हों।
- **(c) एक पुलिस अधिकारी जो उप निरीक्षक जनरल (Deputy Inspector General) के पद से कम न हो:**  
उप निरीक्षक जनरल (DIG) एक बहुत वरिष्ठ अधिकारी होता है, और इस पद की कोई आवश्यकता नहीं है कि वह राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग की जांच एजेंसी का नेतृत्व करे। इस पद का निर्धारित अधिकारी पुलिस अधीक्षक है।
- **(d) एक पुलिस अधिकारी जो निरीक्षक जनरल (Inspector General) के पद से कम न हो:**  
निरीक्षक जनरल (IG) पुलिस अधीक्षक से उच्च पद होता है, और राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग की जांच एजेंसी का नेतृत्व करने के लिए IG की आवश्यकता नहीं है।



**Q.79** स्वतंत्रता के बाद, रियासतों के एकीकरण से एक नए राज्य राजस्थान का गठन हुआ। इस नवगठित राज्य में विभिन्न स्थानों पर पाँच उच्च न्यायालय कार्यरत थे। निम्नलिखित में से कौन सा स्थान उनमें से एक नहीं है?

- जयपुर
- जोधपुर
- कोटा
- बीकानेर

**Answer:** C

**Sol:** सही उत्तर है विकल्प (c) कोटा।

**व्याख्या:**

1949 में राजस्थान राज्य के गठन के बाद, कई रियासतों को मिलाकर नया राज्य बनाया गया। शुरुआत में, राज्य की कानूनी जरूरतों को पूरा करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में पांच उच्च न्यायालय काम कर रहे थे। ये उच्च न्यायालय निम्नलिखित स्थानों पर स्थित थे:

- जयपुर
- जोधपुर
- बीकानेर
- उदयपुर
- अजमेर

हालांकि, राजस्थान के गठन के बाद **कोटा** उन स्थानों में से एक नहीं था जहां उच्च न्यायालय काम कर रहा था। कोटा, हालांकि राजस्थान का एक महत्वपूर्ण शहर है, उस समय इसे एक अलग उच्च न्यायालय के लिए स्थान के रूप में नामित नहीं किया गया था।

## Information Booster:

- राजस्थान में शुरू में कार्यरत पांच उच्च न्यायालय जयपुर, जोधपुर, बीकानेर, उदयपुर और अजमेर में स्थित थे।
- इन उच्च न्यायालयों को बाद में मिला दिया गया, और जयपुर और जोधपुर राज्य के मुख्य न्यायिक केंद्र बन गए।
- राजस्थान का उच्च न्यायालय बाद में जोधपुर में समाहित कर दिया गया, जो वर्तमान में राज्य के न्यायिक अधिकार का स्थान है।

**Additional Knowledge:**

- **(a) जयपुर:**  
राजस्थान की राजधानी **जयपुर** रियासतों के एकीकरण के बाद न्यायिक व्यवस्था का एक मुख्य केंद्र था। जयपुर उच्च न्यायालय उन कार्यरत न्यायालयों में से एक था।
- **(b) जोधपुर:**  
**जोधपुर** भी राजस्थान के नवगठित राज्य में कानूनी व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण केंद्र था। जोधपुर उच्च न्यायालय ने राज्य की न्यायिक प्रक्रिया के प्रारंभिक वर्षों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- **(c) कोटा:**  
**कोटा**, जो एक महत्वपूर्ण औद्योगिक शहर और बढ़ता हुआ शैक्षिक केंद्र है, राजस्थान के गठन के प्रारंभिक वर्षों में उच्च न्यायालय से रहित था। इस प्रकार, कोटा उन शहरों में से एक नहीं था जहां स्वतंत्रता के बाद उच्च न्यायालय काम कर रहा था।
- **(d) बीकानेर:**  
**बीकानेर** उन शहरों में से एक था जहां राजस्थान के गठन के प्रारंभिक वर्षों में उच्च न्यायालय काम कर रहा था। यह न्यायिक प्रणाली के समेकन से पहले पांच उच्च न्यायालयों में से एक था।

**Q.80** बीकानेर के बहुत निकट स्थित करणी माता मंदिर देवी \_\_\_\_\_ को समर्पित है।

- A. काली
- B. सरस्वती
- C. दुर्गा
- D. लक्ष्मी

**Answer:** C

**Sol:** सही उत्तर है विकल्प (c) दुर्गा।

**व्याख्या:**

राजस्थान में बीकानेर के निकट स्थित करणी माता मंदिर देवी करणी माता को समर्पित है, जिन्हें अक्सर दुर्गा का अवतार माना जाता है। यह मंदिर अपनी बड़ी चूहे की आबादी के लिए प्रसिद्ध है, जिन्हें पवित्र माना जाता है और देवी के रूप में पूजा जाता है। यह माना जाता है कि **करणी माता** के पास जीवन और मृत्यु को नियंत्रित करने की शक्ति थी, और मंदिर में चूहे उनके भक्तों की आत्माएँ मानी जाती हैं जो चूहे के रूप में पुनर्जन्म लेते हैं। यह मंदिर राजस्थान का एक महत्वपूर्ण तीर्थ स्थल है और देवी से जुड़े होने और पुनर्जन्म की मान्यता के कारण इसे व्यापक रूप से सम्मानित किया जाता है।

**Information Booster:**

- **करणी माता मंदिर** अपनी चूहे की आबादी के लिए प्रसिद्ध है, जो मंदिर का एक अद्वितीय पहलू है।
- मंदिर में चूहे को श्रद्धा से पूजा जाता है, और तीर्थयात्री इसे शुभ मानते हैं यदि वे सफेद चूहा देख पाते हैं।
- यह मंदिर **देशनोक** में स्थित है, जो **बीकानेर** से लगभग 30 किमी दक्षिण में है।
- **करणी माता** को **दुर्गा** का रूप माना जाता है, और उन्हें जीवन और मृत्यु पर अपनी शक्ति के लिए पूजा जाता है।
- मंदिर अपनी सुंदर वास्तुकला और intricately कटी हुई दीवारों के लिए भी प्रसिद्ध है।

**Q.81** राजस्थान में 'बस्ता मुक्त दिवस' पहल निम्नलिखित में से किस क्षेत्र/योजना से संबंधित है?

- A. शिक्षा
- B. स्वास्थ्य
- C. सार्वजनिक वितरण प्रणाली
- D. महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार योजना (MGNREGA)

**Answer:** A

**Sol:** सही उत्तर है विकल्प (a) शिक्षा।

**व्याख्या:**

राजस्थान में '**बस्ता मुक्त दिवस (नो बैग डे)**' पहल **शिक्षा क्षेत्र** का हिस्सा है। इस पहल को छात्रों पर अकादमिक तनाव को कम करने के लिए शुरू किया गया था, विशेष रूप से स्कूलों में। इस निर्धारित दिन पर, छात्र अपने स्कूल बैग नहीं लाते हैं और इसके बजाय रचनात्मक और मनोरंजक गतिविधियों में भाग लेते हैं। इसका उद्देश्य छात्रों को भारी किताबें ले जाने के नियमित बोझ से **छुट्टी देना और कला, संस्कृति, खेल और जीवन कौशल** जैसी गतिविधियों के माध्यम से समग्र विकास को बढ़ावा देना है, जो पारंपरिक कक्षा शिक्षा को पूरा करती हैं।

**Information Booster:**

- **नो बैग डे** का उद्देश्य **अकादमिक दबाव** को कम करना और **सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों** को बढ़ावा देना है।
- यह छात्रों को **औपचारिक पाठ्यक्रम के बाहर विभिन्न शिक्षण विधियों का पता लगाने** का अवसर प्रदान करता है।
- यह पहल **राजस्थान** के प्रयास का हिस्सा है, जो छात्रों के लिए शिक्षा को और अधिक आकर्षक और संतुलित बनाने का लक्ष्य रखती है।

**Q.82** 'रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान' निम्नलिखित में से किस जिले में स्थित है?

- A. सवाई माधोपुर
- B. भरतपुर
- C. अलवर
- D. कोटा

**Answer:** A

**Sol:** उत्तर. (a)

उत्तर.

सही उत्तर (a) सवाई माधोपुर है। रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान राजस्थान के सवाई माधोपुर जिले में स्थित है। यह भारत के सबसे प्रसिद्ध राष्ट्रीय उद्यानों में से एक है और अपने बाघ अभयारण्य, वन्य जीवन और प्राकृतिक सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है। यह उद्यान अरावली और विंध्य पर्वतमाला के संगम पर स्थित है और अपनी समृद्ध जैव विविधता और ऐतिहासिक महत्व के लिए जाना जाता है, जिसमें इसकी सीमाओं के भीतर रणथंभौर किला भी शामिल है।

## Information Booster:

1. रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान एक बाघ अभयारण्य है और बंगाल बाघ को उसके प्राकृतिक आवास में देखने के लिए सबसे अच्छी जगहों में से एक है।
2. यह उद्यान लगभग 1,334 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में फैला हुआ है और वन्यजीव उत्साही लोगों के लिए एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल है, उद्यान अपने प्राचीन किले के लिए भी जाना जाता है, जो यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल है और राजस्थान के शाही इतिहास का एक प्रमाण है।
3. उद्यान में वनस्पति और जीव-जंतुओं में तेंदुए, आलसी भालू, मगरमच्छ और पक्षियों की विभिन्न प्रजातियाँ शामिल हैं।
4. उद्यान के अंदर रणथंभौर किला ऐतिहासिक महत्व जोड़ता है, जिसका इतिहास 10वीं शताब्दी से जुड़ा है।

**Q.83** क्षेत्रफल की दृष्टि से राजस्थान का सबसे बड़ा जिला कौन सा है?

- A. नागिर
- B. जालौर
- C. जैसलमेर
- D. जोधपुर

**Answer:** C

**Sol:** सही उत्तर विकल्प (C) जैसलमेर है।

**स्पष्टीकरण**

जैसलमेर क्षेत्रफल के हिसाब से राजस्थान का सबसे बड़ा जिला है, जो लगभग 38,401 वर्ग किमी में फैला हुआ है। राजस्थान के पश्चिमी भाग में स्थित, यह लगभग पूरी तरह से थार रेगिस्तान में स्थित है। अपने विशाल आकार के बावजूद, यह अपनी शुष्क जलवायु और रेगिस्तानी इलाके के कारण बहुत कम आबादी वाला है। जैसलमेर अपनी सुनहरे बलुआ पत्थर की वास्तुकला, जैसलमेर किले और रेगिस्तान पर्यटन के लिए भी प्रसिद्ध है।

**सूचना बूस्टर**

- क्षेत्र: लगभग 38,401 वर्ग किमी
- स्थान: पश्चिमी राजस्थान
- इसके लिए जाना जाता है: थार रेगिस्तान, जैसलमेर किला
- सीमाएँ: पश्चिम में पाकिस्तान
- जनसंख्या घनत्व: बहुत कम
- चूना पत्थर और जिप्सम से समृद्ध

**अतिरिक्त जानकारी**

- (a) नागिर: ऐसा कोई जिला नहीं है। संभवतः टाइपिंग में गलती हुई है।
- (b) जालौर: दक्षिण-पश्चिम राजस्थान में स्थित; क्षेत्रफल में छोटा।
- (d) जोधपुर: बड़ा और आबादी वाला, लेकिन क्षेत्रफल में जैसलमेर से छोटा।

**Q.84** राजस्थान में 'भील समुदाय' की 'खेती' को क्या कहा जाता है?

- A. बेवर
- B. दज्जा
- C. डांडिया
- D. झूम

**Answer:** A

**Sol:** उत्तर. (A)

हल.

सही उत्तर (A) बेवर है। राजस्थान में भील समुदाय बेवर का अभ्यास करता है, जो एक प्रकार की स्थानांतरित खेती या काट-और-जला कृषि है। इस पद्धति में, वनस्पति को काटकर और जलाकर भूमि का एक टुकड़ा साफ किया जाता है। कुछ वर्षों तक भूमि पर खेती करने के बाद, इसे पुनर्जनन के लिए छोड़ दिया जाता है, और यह प्रक्रिया किसी अन्य क्षेत्र में दोहराई जाती है।

## Information Booster:

- बेवर झूम खेती के समान है, लेकिन विशेष रूप से राजस्थान में भील समुदाय की प्रथा को संदर्भित करता है, विशेष रूप से डूंगरपुर, बांसवाड़ा और उदयपुर जैसे पहाड़ी और वन क्षेत्रों में।
- बेवर के माध्यम से उगाई जाने वाली प्राथमिक फसलें बाजरा, चना और दालें हैं, जो राजस्थान के शुष्क और अर्ध-शुष्क जलवायु के लिए उपयुक्त हैं।
- बेवर की प्रथा भील संस्कृति से निकटता से जुड़ी हुई है, और यह कृषि पद्धति क्षेत्र के परिदृश्य और जलवायु के लिए अच्छी तरह से अनुकूलित है।
- यदि इसे अच्छी तरह से प्रबंधित किया जाए तो यह एक टिकाऊ तकनीक है, लेकिन भूमि पर बढ़ते दबाव और पर्यावरणीय गिरावट इसके जारी रहने के लिए चुनौतियां पेश करती हैं।

**Q.85** चित्तौड़गढ़ के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही नहीं है ?

- बप्पा रावल सिसोदिया राजवंश के संस्थापक थे। बप्पा और उनके वंश ने 16वीं शताब्दी तक चित्तौड़गढ़ पर शासन किया।
- इसमें एक जलाशय है और वर्तमान में इसे भीमलत के नाम से जाना जाता है।
- 15वीं शताब्दी में यहाँ मौर्य राजपूतों का शासन था और 1568 ई. तक यह मेवाओं की राजधानी बना रहा। राहुला मेवा ने अपनी राजधानी उदयपुर स्थानांतरित कर ली।
- चित्तौड़गढ़ पर 1303 ई. में बहादुर शाह ने आक्रमण किया था।

**Answer:** D

**Sol:** सही उत्तर विकल्प (d) है चित्तौड़गढ़ पर 1303 ई. में बहादुर शाह ने आक्रमण किया था

**स्पष्टीकरण**

यह कथन तथ्यात्मक रूप से गलत है क्योंकि चित्तौड़गढ़ पर 1303 ई. में अलाउद्दीन खिलजी ने आक्रमण किया था, बहादुर शाह ने नहीं। गुजरात के बहादुर शाह ने चित्तौड़गढ़ पर बहुत बाद में 1535 ई. में आक्रमण किया, जिसके कारण इसके इतिहास में दूसरा जौहर हुआ। पहला जौहर 1303 में खिलजी के आक्रमण के दौरान हुआ था। इस प्रकार, यह विकल्प ऐतिहासिक व्यक्ति और समयरेखा को गलत स्थान पर रखता है। शेष कथन, आंशिक रूप से विवादास्पद होते हुए भी, तथ्यात्मक रूप से सत्य के अधिक निकट हैं।

**Information Booster**

- 1303 ई.: अलाउद्दीन खिलजी द्वारा आक्रमण, बहादुर शाह द्वारा नहीं।
- 1535 ई.: गुजरात के बहादुर शाह द्वारा आक्रमण।
- 1568 ई.: अकबर की घेराबंदी; तीसरा और अंतिम जौहर।
- 1568 के बाद उदय सिंह द्वितीय द्वारा राजधानी उदयपुर स्थानांतरित कर दी गई।
- भीमलत वास्तव में चित्तौड़गढ़ के पास एक प्रसिद्ध जलाशय है।

**Information Booster**

- (a) सत्य। सिसोदिया राजवंश के संस्थापक माने जाने वाले बप्पा रावल ने चित्तौड़ पर कब्जा कर लिया और इसे अपना गढ़ बना लिया।
- (b) सत्य। भीमलत कुंड, जिसे भीमलत महादेव भी कहा जाता है, किले से जुड़ा हुआ है।
- (c) सत्य। नामकरण में थोड़ी सी अशुद्धि के साथ। इस पर 15वीं शताब्दी में मौर्य राजपूतों का नहीं, बल्कि गुहिलोत/सिसोदिया राजपूतों का शासन था, जो बप्पा रावल के वंशज थे।
- (d) असत्य। 1303 ई. में यह अलाउद्दीन खिलजी का शासन था, बहादुर शाह का नहीं।

**Q.86** निम्नलिखित में से 'भूतकाल' को प्रकट करने वाले वाक्यों की पहचान कीजिए –

- मैंने पत्र लिखा।
- वह स्कूल जाएगा।
- वे गाना गा रहे थे।
- उसने फिल्म देखी थी।
- तुम पुस्तक पढ़ रहे हो।

- केवल 1 और 4
- केवल 2 और 3
- केवल 1, 3 और 4
- केवल 4 और 5

Answer: C

**Sol:** सही उत्तर: (C) केवल 1, 3 और 4  
विवेचन:  
अतिरिक्त जानकारी:

वाक्य	काल का प्रकार	विवरण
1. मैंने पत्र लिखा।	सामान्य भूतकाल	कार्य अतीत में सामान्य रूप से पूरा हुआ।
2. वह स्कूल जाएगा।	भविष्यकाल	भविष्य में होने वाला कार्य।
3. वे गाना गा रहे थे।	अपूर्ण भूतकाल	कार्य भूतकाल में शुरू हुआ, लेकिन पूरा नहीं हुआ था।
4. उसने फिल्म देखी थी।	पूर्ण भूतकाल	कार्य अतीत में पूरी तरह से संपन्न हुआ।
5. तुम पुस्तक पढ़ रहे हो।	वर्तमान काल	क्रिया वर्तमान में हो रही है।

काल के भेद, परिभाषा और उनके उदाहरण:

काल का प्र  
कार

भेद

परिभाषा/पहचान और उदाहरण

सामान्य वर्तमान काल क्रिया का वह रूप जिससे क्रिया का वर्तमान में होना पाया जाता है उसे 'सामान्य वर्तमान काल' कहते हैं। क्रिया जो भी वर्तमान में सामान्य रूप से होती है, वह क्रिया सामान्य वर्तमान काल की कहलाती है। **उदाहरण** - राम पढ़ता है।

अपूर्ण वर्तमान काल क्रिया के जिस रूप से यह बोध हो कि वर्तमान काल में कार्य अभी पूर्ण नहीं हुआ है बल्कि अभी वह चल रहा है वह अपूर्णवर्तमान काल कहलाता है। **उदाहरण** - मैं अभी पढ़ रहा हूँ।

पूर्ण वर्तमान काल क्रिया के जिस रूप से कार्य के अभी पूरे होने का पता चलता है, उसे पूर्ण वर्तमान काल कहते हैं। **उदाहरण** - वह आया है।

वर्तमान काल

संदिग्ध वर्तमान काल क्रिया के जिस रूप से वर्तमान काल क्रिया के होने या करने पर शक हो, उसे संदिग्ध वर्तमान काल कहते हैं। जिन वाक्यों के अंत में 'ता' होगा, 'ती' होगी, 'ते' होंगे आदि आते हैं, उसे संदिग्ध वर्तमान काल कहते हैं। **उदाहरण** - राम पढ़ता होगा।

तत्कालिक वर्तमान काल

तत्कालिक वर्तमान काल हिंदी व्याकरण में एक विशेष प्रकार के वर्तमान काल को दर्शाता है, जिसमें क्रिया का प्रयोग उस कार्य को व्यक्त करने के लिए होता है जो तुरंत वर्तमान में हो रहा होता है। **उदाहरण** - मैं अभी खा रहा हूँ।

संभाव्य वर्तमान काल

संभाव्य वर्तमान काल हिंदी व्याकरण में एक विशेष प्रकार के वर्तमान काल को दर्शाता है, जिसमें क्रिया का प्रयोग उस कार्य को व्यक्त करने के लिए होता है जो अभी तक निर्धारित नहीं हो चुका है, लेकिन जिसका होने का सम्भावना होता है। **उदाहरण** - वह आज शायद पढ़ रहा होगा।

सामान्य भूतकाल क्रिया के जिस रूप से काम के सामान्य रूप से बीते समय में पूरा होने का बोध हो, उसे सामान्य भूतकाल कहते हैं। **उदाहरण** - मोहन गया।

आसन्न भूतकाल क्रिया के जिस रूप से पता चले कि कोई काम अभी-अभी पूरा हुआ है, उसे आसन्न भूतकाल कहते हैं। **उदाहरण** - वह आ चुका है।

पूर्ण भूतकाल जिस क्रिया रूप से यह पता चले कि कोई काम बहुत समय पहले पूरा हो चुका था, उसे पूर्ण भूतकाल कहते हैं। **उदाहरण** - वह सो चुका था।

भूतकाल

अपूर्ण भूतकाल जिन शब्दों से यह पता चले कि काम भूतकाल में शुरू हो चुका था और अभी समाप्त नहीं हुआ है, उसे अपूर्ण भूतकाल कहते हैं। **उदाहरण** - वह सो रहा था।

संदिग्ध भूतकाल भूतकाल की जिस क्रिया से कार्य होने में अनिश्चितता अथवा संदेह प्रकट होता है वह क्रिया संदिग्ध भूतकाल कहलाती है। **उदाहरण** - कल शायद वह स्कूल गया था।

हेतुहेतुमद भूतकाल यदि भूतकाल में एक क्रिया के होने या न होने पर दूसरी क्रिया का होना या न होना निर्भर करता है, तो वह हेतुहेतुमद भूतकाल क्रिया कहलाती है। **उदाहरण** - मैं खाना खा लेता, परन्तु मुझे जाना था।

सामान्य भविष्यकाल क्रिया के जिस रूप से उसके सामान्य रूप में भविष्य में होने का पता चले, उसे सामान्य भविष्य काल कहते हैं। **उदाहरण** - सुधांशु कल घर जाएगा।

भविष्यकाल संभाव्य भविष्यकाल क्रिया के जिस रूप से आगे कार्य होने या करने की संभावना का पता चले, उसे संभाव्य भविष्य काल कहते हैं। **उदाहरण** - रमेश शायद कल दिल्ली से आएगा।

हेतुहेतुमद भविष्यकाल यदि भूतकाल में एक क्रिया के होने या न होने पर दूसरी क्रिया का होना या न होना निर्भर करता है, तो वह हेतुहेतुमद भूतकाल क्रिया कहलाती है। **उदाहरण** - राधा विद्यालय आएगी तो मैं भी आऊँगी।

**Q.87** सूची I और सूची II से पर्यायवाची शब्दों का मिलान कीजिए एवं नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए:

सूची I सूची II

a. चंद्र i. अमृत

b. विष ii. रवि

c. धन iii. शशि

d. सूर्य iv. कुबेर

- A. a-iii, b-i, c-iv, d-ii  
B. a-i, b-iii, c-iv, d-ii  
C. a-iii, b-ii, c-i, d-iv  
D. a-iv, b-iii, c-ii, d-i

**Answer:** A

**Sol:** सही उत्तर है: (A) a-iii, b-i, c-iv, d-ii  
**विस्तार:**

- a. चंद्र का पर्यायवाची शशि है, क्योंकि शशि चंद्रमा का दूसरा नाम है।  
मिलान: **a-iii**
- b. विष का पर्यायवाची अमृत के विपरीत होता है, इसलिए विष और अमृत का मिलान सही है।  
मिलान: **b-i**
- c. धन का पर्यायवाची कुबेर है, क्योंकि कुबेर को धन का देवता कहा जाता है।  
मिलान: **c-iv**
- d. सूर्य का पर्यायवाची रवि होता है, क्योंकि रवि सूर्य का दूसरा नाम है।  
मिलान: **d-ii**
- निष्कर्ष:** प्रत्येक शब्द के सही पर्यायवाची का मिलान किया गया है, जिससे सही उत्तर विकल्प (A) है।

**Q.88** सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए:

सूची-I	सूची-II
--------	---------

- a. कनक, सुवर्ण, हिरण्य      i. समानता
- b. एकरूप, तुल्यरूप, अनुरूप      ii. स्वर्ण
- c. कौआ, वायस, काक      iii. उत्क्रमण
- d. उत्थान, उत्कर्ष, आरोहण      iv. करकट

नीचे दिए गए विकल्पों में से सुमेलित उत्तर का चयन कीजिए:

- A. a-ii, b-i, c-iv, d-iii  
B. a-iv, b-iii, c-ii, d-i  
C. a-i, b-ii, c-iii, d-iv  
D. a-iii, b-i, c-iv, d-ii

**Answer:** A

**Sol:** सही उत्तर: **a-ii, b-i, c-iv, d-iii**

**समाधान:**

**सूची-I और सूची-II का सुमेलित विवरण:**

**कनक, सुवर्ण, हिरण्य (a):**

- कनक, सुवर्ण, और हिरण्य सभी का अर्थ है **स्वर्ण**। ये सोने के लिए प्रयुक्त पर्यायवाची शब्द हैं।  
○ सही मिलान: **ii. स्वर्ण**

**एकरूप, तुल्यरूप, अनुरूप (b):**

- ये सभी शब्द समानता, समरूपता, और अनुरूपता को दर्शाते हैं।  
○ सही मिलान: **i. समानता**

**कौआ, वायस, काक (c):**

- कौआ, वायस, और काक का अर्थ है कौआ। इनका पर्यायवाची करकट भी है।  
○ सही मिलान: **iv. करकट**

**उत्थान, उत्कर्ष, आरोहण (d):**

- ये सभी शब्द उन्नति, प्रगति, और ऊपर उठने की प्रक्रिया को व्यक्त करते हैं। इनका अर्थ **उत्क्रमण** से संबंधित है।  
○ सही मिलान: **iii. उत्क्रमण**

**सारणी में सुमेलित विवरण:**

सूची-I	सूची-II
--------	---------

- a. कनक, सुवर्ण, हिरण्य      ii. स्वर्ण
- b. एकरूप, तुल्यरूप, अनुरूप      i. समानता

सूची-I

सूची-II

c. कौआ, वायस, काक iv. करकट

d. उत्थान, उत्कर्ष, आरोहण iii. उत्क्रमण

अन्य विकल्प क्यों गलत हैं:

1. a-iv, b-iii, c-ii, d-i:

o "कनक" का सही पर्यायवाची "स्वर्ण" (ii) है, न कि "करकट" (iv)। इसलिए यह गलत है।

2. a-i, b-ii, c-iii, d-iv:

o "कनक" का सही पर्यायवाची "स्वर्ण" (ii) है, लेकिन इसे "समानता" (i) से जोड़ा गया है, जो गलत है।

3. a-iii, b-i, c-iv, d-ii:

o "उत्थान" का सही पर्यायवाची "उत्क्रमण" (iii) है, लेकिन इसे "स्वर्ण" (ii) से जोड़ा गया है, जो गलत है।

Q.89 सूची I और सूची II से सही विलोम शब्द का मिलान कीजिए एवं नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए:

सूची I

सूची II

a. आदि i. दुराचरण

b. इहलोक ii. अंत

c. उत्कर्ष iii. परलोक

d. आचरण iv. अपकर्ष

- A. a-iv, b-i, c-ii, d-iii  
 B. a-ii, b-iii, c-iv, d-i  
 C. a-i, b-ii, c-iii, d-iv  
 D. a-iii, b-ii, c-i, d-iv

Answer: B

Sol: सही उत्तर है: (B) a-ii, b-iii, c-iv, d-i

विस्तार:

a. आदि – अंत (ii)

"आदि" का विलोम शब्द "अंत" होता है। जहाँ आदि किसी चीज की शुरुआत को दर्शाता है, वहीं अंत उस चीज की समाप्ति को।

b. इहलोक – परलोक (iii)

"इहलोक" का अर्थ इस संसार या इस जीवन से है, जबकि "परलोक" का अर्थ उस संसार या जीवन से है जो मृत्यु के बाद आता है। ये दोनों शब्द एक-दूसरे के विपरीत हैं।

c. उत्कर्ष – अपकर्ष (iv)

"उत्कर्ष" का अर्थ होता है उन्नति या प्रगति, जबकि "अपकर्ष" का मतलब होता है पतन या अवनति। ये दोनों शब्द एक-दूसरे के विपरीत भाव प्रकट करते हैं।

d. आचरण – दुराचरण (i)

"आचरण" का अर्थ है किसी व्यक्ति का नैतिक या उचित व्यवहार, जबकि "दुराचरण" का मतलब होता है अनैतिक या बुरा व्यवहार। यह भी विलोम शब्द का उदाहरण है।

Q.90 किस विकल्प में विलोम युग्म सही नहीं है?

- A. समास-व्यास  
 B. वरदान-अभिशाप  
 C. रुक्ष-स्निग्ध  
 D. सधवा-निर्धवा

Answer: D

Sol: सही उत्तर: (D) सधवा – निर्धवा

उत्तर की व्याख्या:

विलोम शब्द वे होते हैं जिनका आपस में अर्थ विपरीत होता है।  
यहाँ "सधवा" का अर्थ है - सौभाग्यवती स्त्री (जिसका पति जीवित है),  
जबकि "निर्धवा" शब्द का कोई मान्य अथवा प्रचलित अर्थ नहीं है।  
इसलिए यह युग्म त्रुटिपूर्ण है।

**अन्य विकल्पों का विश्लेषण:**

विकल्प	विलोम युग्म	सही / गलत	कारण
A	समास - व्यास	सही	समास = संक्षेप में, व्यास = विस्तार में; यह विलोम भाव दर्शाता है।
B	वरदान - अभिशाप	सही	दोनों विपरीत प्रभाव वाले शब्द हैं।
C	रुक्ष - स्निग्ध	सही	रुक्ष = शुष्क / रूखा, स्निग्ध = चिकना / मृदु; स्पष्ट विलोम।
D	सधवा - निर्धवा	गलत	"निर्धवा" शब्द शुद्ध या मान्य नहीं है, इसका कोई स्थापित विलोम अर्थ नहीं मिलता।

**अतिरिक्त जानकारी:**

विलोम शब्द दो शब्दों के बीच अर्थ की विपरीतता को दर्शाते हैं।

सधवा का सही विलोम विधवा होना चाहिए।

**निष्कर्ष:**

विकल्प D में विलोम युग्म सही नहीं है क्योंकि 'निर्धवा' एक त्रुटिपूर्ण या अप्रचलित शब्द है।

सही उत्तर है - (D) सधवा - निर्धवा।

**Q.91** निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो दिए गए शब्द के अनेकार्थी रूप वाला सही विकल्प नहीं है।  
लहर

- A. तरंग
- B. उमंग
- C. प्रहार
- D. झोंका

**Answer:** C

**Sol:** सही उत्तर: विकल्प (C) है - प्रहार।

**व्याख्या:**

"लहर" शब्द का अर्थ होता है 'तरंग', 'झोंका', या 'उमंग'। यह शब्द किसी वस्तु या पानी की गति, हरकत या लहरों से संबंधित होता है।

- "तरंग" इसका पर्यायवाची है, क्योंकि यह लहरों की तरह किसी तरह की गति या हलचल का संकेत है।
- "उमंग" भी लहर का अनेकार्थी शब्द हो सकता है, क्योंकि इसका अर्थ उत्साह या आनंद हो सकता है, जो एक प्रकार की लहर की तरह महसूस हो सकती है।
- "झोंका" भी लहर का अनेकार्थी शब्द है, क्योंकि यह भी हलचल या गति को दर्शाता है, जैसे हवा का झोंका।

लेकिन "प्रहार" का अर्थ 'आघात' या 'मार' होता है, जो "लहर" के अर्थ से मेल नहीं खाता। यह शब्द लहरों या हलचल से संबंधित नहीं है, इसलिए यह लहर का सही अनेकार्थी शब्द नहीं है।

**सभी विकल्पों का विश्लेषण:**

विकल्प	विश्लेषण
A	"तरंग" - यह "लहर" का अनेकार्थी शब्द है।
B	"उमंग" - यह भी "लहर" का अनेकार्थी शब्द है।
C	"प्रहार" - यह गलत है, क्योंकि "प्रहार" का अर्थ "लहर" से मेल नहीं खाता।
D	"झोंका" - यह "लहर" का अनेकार्थी शब्द है।

**अतिरिक्त जानकारी:**

"लहर" का सामान्य अर्थ तरंग, उमंग, और झोंका से मेल खाता है, जबकि "प्रहार" इसका अनेकार्थी शब्द नहीं है।

**Q.92** 'जिसके पास कम ज्ञान या गुण होते हैं, वह अधिक दिखावा करता है' के लिए निम्नलिखित में से उपयुक्त मुहावरा है।

- A. अपना राग अलापना

- B. थोथा चना बाजे घना  
C. अत्यधिक गुणी होना  
D. अत्यधिक विश्वास पात्र न होना

**Answer:** B

**Sol:** सही उत्तर: (B) थोथा चना बाजे घना

उत्तर की व्याख्या:

मुहावरा: "थोथा चना बाजे घना"

अर्थ: जिसके पास कम ज्ञान या गुण होते हैं, वह अधिक दिखावा करता है।

वाक्य प्रयोग:

- "वह हमेशा अपनी सफलता का बहुत बड़ा प्रचार करता है, लेकिन असल में उसके पास कुछ भी खास नहीं है, जैसे 'थोथा चना बाजे घना'।"
- "राहुल ने जब से नया मोबाइल खरीदा है, वह लगातार उसकी तारीफ कर रहा है, लेकिन सच तो यह है कि उसके पास इतना अच्छा मोबाइल नहीं है, यह बिलकुल 'थोथा चना बाजे घना' जैसा है।"

अन्य विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प	अर्थ	उपयुक्तता	कारण
A. अपना राग अलापना	अपनी बात बार-बार कहना	नहीं	बात से कोई संबंध नहीं
B. थोथा चना बाजे घना	जिसके पास कम ज्ञान या गुण होते हैं, वह अधिक दिखावा करता है	है	अर्थ से पूरी तरह मेल खाता है
C. अत्यधिक गुणी होना	बहुत अधिक योग्य होना	नहीं	अर्थ भिन्न है
D. अत्यधिक विश्वास पात्र न होना	भरोसे के योग्य न होना	नहीं	विषय से भिन्न

अतिरिक्त जानकारी:

प्रसिद्ध मुहावरे, उनके अर्थ और उदाहरण सहित:

मुहावरा	अर्थ	उदाहरण वाक्य
नौ दो ग्यारह होना	भाग जाना / चुपचाप निकल जाना	चोर पुलिस को देखकर नौ दो ग्यारह हो गया।
नाक में दम करना	बहुत परेशान करना	बच्चों ने पूरे दिन नाक में दम कर रखा।
आसमान के तारे दिखाना	बहुत अधिक कष्ट देना	डॉक्टर की सुई ने तो मुझे आसमान के तारे दिखा दिए।
दाल में कुछ काला होना	किसी बात में गड़बड़ होना	उसकी बातों से लग रहा है कि दाल में कुछ काला है।
खून का प्यासा होना	बहुत क्रूर या निर्दयी होना	वह इतना क्रोधित था जैसे किसी का खून का प्यासा हो।

**Q.93** 'एक लाठी से हाँकना' मुहावरे का अर्थ क्या है ?

- A. तानाशाह होना  
B. अच्छे-बुरे का अंतर न करना  
C. मूर्ख बनाना  
D. बात बिगाड़ना

**Answer:** B

**Sol:** सही उत्तर: (B) अच्छे-बुरे का अंतर न करना

उत्तर की व्याख्या:

'एक लाठी से हाँकना' एक प्रसिद्ध हिंदी मुहावरा है, जिसका अर्थ है -

"सबके साथ एक जैसा व्यवहार करना, बिना यह देखे कि कौन सही है और कौन गलत।"

यह मुहावरा अक्सर तब प्रयोग किया जाता है जब कोई व्यक्ति हर किसी के साथ एक जैसे कठोर या बिना सोचे समझे व्यवहार करता है - बिना परिस्थितियों का विश्लेषण किए।

अन्य विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प	सही / गलत	कारण
A. तानाशाह होना	गलत	यह मुहावरे का अर्थ नहीं है, भले ही तानाशाह एक जैसा व्यवहार करे, पर यह मुहावरे का मुख्य अर्थ नहीं।

विकल्प	सही / गलत	कारण
B. अच्छे-बुरे का अंतर न करना	सही	यही इस मुहावरे का सटीक अर्थ है।
C. मूर्ख बनाना	गलत	यह मुहावरे का कोई संबंध नहीं है।
D. बात बिगाड़ना	गलत	यह अर्थ किसी और मुहावरे से संबंधित हो सकता है, न कि 'एक लाठी से हाँकना' से।

**अतिरिक्त जानकारी:**

मुहावरा	अर्थ	वाक्य में प्रयोग
---------	------	------------------

एक लाठी से हाँकना-अच्छे-बुरे का अंतर न करना शिक्षक ने पूरे वर्ग को डाँट दिया, यह तो एक लाठी से हाँकना हुआ।

आँखों का तारा	बहुत प्रिय होना	वह अपनी माँ की आँखों का तारा है।
नाक में दम करना	बहुत परेशान करना	बच्चों ने आज नाक में दम कर दिया।

**निष्कर्ष:**

'एक लाठी से हाँकना' का अर्थ है – "बिना फर्क किए सबके साथ एक जैसा व्यवहार करना।"  
इसलिए सही उत्तर है – (B) अच्छे-बुरे का अंतर न करना।

**Q.94** 'गाल बजाना' मुहावरे का अर्थ क्या है?

- A. डींग मारना
- B. खुशियाँ मनाना
- C. थप्पड़ मारना
- D. अपमानित करना

**Answer:** A**Sol:** सही उत्तर: (A) डींग मारना**व्याख्या:**

"गाल बजाना" एक मुहावरा है, जिसका अर्थ होता है "डींग मारना" या "अपने किसी काम या गुण के बारे में बढ़ा-चढ़ा कर बोलना"। यह मुहावरा अक्सर किसी व्यक्ति द्वारा अपनी महिमा का ढिंढोरा पीटने के संदर्भ में प्रयोग किया जाता है।

**विकल्पों का विश्लेषण:**

विकल्प	विश्लेषण	सही / गलत
--------	----------	-----------

- |                   |   |     |
|-------------------|---|-----|
| (A) डींग मारना    | "गाल बजाना" का सही अर्थ "डींग मारना" होता है।   | सही |
| (B) खुशियाँ मनाना | "गाल बजाना" का अर्थ खुशियाँ मनाने से नहीं होता। | गलत |
| (C) थप्पड़ मारना  | "गाल बजाना" का अर्थ थप्पड़ मारने से नहीं है।    | गलत |
| (D) अपमानित करना  | "गाल बजाना" का अर्थ अपमानित करने से नहीं होता।  | गलत |

**अतिरिक्त जानकारी :****मुहावरा:**

मुहावरा एक ऐसा वाक्य होता है, जो वाक्य की रचना करने पर अपना एक अलग अर्थ या विशेष अर्थ प्रकट करता है इनका प्रयोग करने से भाषा, आकर्षक, प्रभावपूर्ण तथा रोचक बन जाती है।

**कुछ महत्वपूर्ण मुहावरा, अर्थ और उनके वाक्य प्रयोग:-**

**धोबी का कुत्ता घर का न घाट का-** जिसका कहीं ठिकाना न हो, निरर्थक व्यक्ति

**वाक्य प्रयोग-** जब से रामू की नौकरी छूटी है, उसकी दशा "धोबी का कुत्ता घर न घाट का" जैसी है।

**पाँचों उँगलियों घी में होना-** पूरे लाभ में

**वाक्य प्रयोग-** अनमोल का बेटा विदेश से बहुत पैसे भेजता है अब तो उसकी "पाँचों उँगलियों घी" में हैं।

**घाव पर नमक छिड़कना-** दुखी को और दुखी करना

**वाक्य प्रयोग-** उसको समझ नहीं आता क्या की किसी के "घाव पर नमक छिड़कना" कितना बुरा है।

**निष्कर्ष:**

"गाल बजाना" मुहावरे का अर्थ "डींग मारना" है।

इसलिए, सही उत्तर: (A) डींग मारना

**Q.95** 'एक से इक्कीस होना' मुहावरे का अर्थ क्या होगा?

- A. हर प्रकार का अनुभव होना
- B. उन्नति करना
- C. कहीं जाने में अशक्त होना
- D. सचेत होना

**Answer:** B

**Sol:** सही उत्तर: **B. उन्नति करना**

**स्पष्टीकरण:**

- 'एक से इक्कीस होना' का अर्थ है **उन्नति करना**। यह मुहावरा इस बात को इंगित करता है कि किसी व्यक्ति, वस्तु, या स्थिति ने एक साधारण स्थिति से बेहतर, उन्नत, या उच्च स्थिति तक प्रगति की है।

**विकल्पों का विश्लेषण:**

विकल्प	अर्थ
--------	------

**(A) हर प्रकार का अनुभव होना** यह 'एक से इक्कीस होना' का अर्थ नहीं है। इस मुहावरे का अनुभव से कोई संबंध नहीं है।

**(B) उन्नति करना**

सही उत्तर है। यह मुहावरा उन्नति या तरक्की को दर्शाता है।

**(C) कहीं जाने में अशक्त होना**

यह अर्थ गलत है। इस मुहावरे का अशक्तता से कोई संबंध नहीं है।

**(D) सचेत होना**

यह अर्थ भी गलत है। 'सचेत होना' किसी व्यक्ति के सतर्क या जागरूक होने को दर्शाता है।

**मुहावरे से संबंधित अन्य जानकारी:**

- **मुहावरा:** 'एक से इक्कीस होना'
- **अर्थ:** साधारण स्थिति से बेहतर स्थिति में पहुँचना।
- **उदाहरण:** उनकी मेहनत रंग लाई, और उनकी कंपनी एक से इक्कीस हो गई।

**Q.96** निम्नलिखित वाक्यों पर विचार कीजिए और उसके आधार पर सही विकल्प का चयन कीजिए

- (I) खेत जोतने के पारम्परिक उपादान हल का स्थान अब ट्रैक्टर ने ले लिया है।
- (II) श्रीमती रेड्डी जिस स्तर की नृत्यांगना हैं, उनके पति उस स्तर के नृत्यांगन नहीं हैं।
- (III) शिक्षा प्रणाली जनोपयोगी होनी चाहिए।
- (IV) निरपराधी के विरुद्ध दण्डनात्मक कार्यवाही का किया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है।

- A. सिर्फ वाक्य (I) शुद्ध है।
- B. सिर्फ वाक्य (II) शुद्ध है।
- C. सिर्फ वाक्य (III) शुद्ध है।
- D. उपर्युक्त सभी वाक्य अशुद्ध हैं।

**Answer:** C

**Sol:** सही उत्तर: **(C) सिर्फ वाक्य (III) शुद्ध है।**

**व्याख्या:**

- विकल्प (C) "शिक्षा प्रणाली जनोपयोगी होनी चाहिए" वाक्य शुद्ध है। क्योंकि इसमें सभी शब्दों का सही प्रयोग किया गया है और वाक्य का संरचनात्मक अर्थ भी सही है।
- जबकि अन्य विकल्पों के वाक्य अशुद्ध हैं।

**वाक्यों के विश्लेषण:**

वाक्य	विश्लेषण	शुद्ध वाक्य	शुद्ध / अशुद्ध
(I) खेत जोतने के पारम्परिक उपादान हल का स्थान अब ट्रैक्टर ने ले लिया है।	"उपादान" शब्द का प्रयोग अनुचित है। इसे "साधन" होना चाहिए।	खेत जोतने के पारम्परिक साधन हल का स्थान अब ट्रैक्टर ने ले लिया है।	अशुद्ध
(II) श्रीमती रेड्डी जिस स्तर की नृत्यांगना हैं, उनके पति उस स्तर के नृत्यांगन नहीं हैं।	"नृत्यांगन" शब्द का प्रयोग गलत है। सही रूप "नर्तक" होना चाहिए।	श्रीमती रेड्डी जिस स्तर की नृत्यांगना हैं, उनके पति उस स्तर के नर्तक नहीं हैं।	अशुद्ध

(III) शिक्षा प्रणाली जनोपयोगी होनी चाहिए।

यह वाक्य शुद्ध है, इसमें सभी शब्दों का सही प्रयोग किया गया है।

---

शुद्ध

(IV) निरपराधी के विरुद्ध दण्डनात्मक कार्यवाही का किया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है।

"निरपराधी" शब्द का प्रयोग गलत है, इसे "निरपराध" होना चाहिए।

निरपराध के विरुद्ध दण्डनात्मक कार्यवाही का किया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है।

अशुद्ध

निष्कर्ष:

- अन्य विकल्पों में व्याकरणिक त्रुटियाँ हैं।
- इसलिए सही उत्तर है: (C) सिर्फ वाक्य (III) शुद्ध है।

Q.97 निम्नलिखित में से किस वाक्य में अनावश्यक-शब्द-प्रयोग दोष है?

- सब मंत्रियों में रामदयाल श्रेष्ठ है।
- उसे सब जानते हैं।
- पत्र किसके नाम पर लिखा गया है?
- आप किसी समय वहाँ हो आते।

Answer: C

Sol: सही उत्तर: विकल्प (C)

व्याख्या:

दिए गए वाक्यों में विकल्प (C) में 'अनावश्यक-शब्द-प्रयोग दोष' है। इस वाक्य में 'पर' शब्द का प्रयोग पूरी तरह से निरर्थक या अनावश्यक है। पत्र किसी व्यक्ति के 'नाम' लिखा जाता है, 'नाम पर' नहीं। 'नाम पर' का प्रयोग सामान्यतः संपत्ति या अधिकार (जैसे- जमीन राम के नाम पर है) के संदर्भ में होता है। पत्राचार के संदर्भ में 'नाम' ही पर्याप्त है। अतः शुद्ध वाक्य होगा— "पत्र किसके नाम लिखा गया है?"

सभी विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प

विश्लेषण

- (A) शुद्ध: यहाँ 'सब' का प्रयोग तुलनात्मक समूह को स्पष्ट करने के लिए हुआ है। 'श्रेष्ठ' शब्द समूह में उत्तमता को दर्शाता है, जो व्याकरणिक रूप से सही है।
- (B) शुद्ध: यह एक सरल और स्पष्ट वाक्य है। इसमें किसी भी अनावश्यक पद का प्रयोग नहीं किया गया है।
- (C) अशुद्ध (सटीक उत्तर): यहाँ 'पर' कारक चिह्न (परसर्ग) अनावश्यक है। क्रिया 'लिखना' का संबंध सीधे 'नाम' से होना चाहिए, 'नाम पर' से नहीं।
- (D) शुद्ध: यहाँ 'किसी समय' शब्द कालवाचक क्रिया विशेषण के रूप में सही प्रयुक्त हुआ है, जो भविष्य या संभावना की ओर संकेत करता है।

अतिरिक्त जानकारी:

हिन्दी व्याकरण में 'अनावश्यक-शब्द-प्रयोग' (Redundancy) तब होता है जब हम वाक्य में ऐसे शब्दों का प्रयोग करते हैं जिनके बिना भी वाक्य का अर्थ पूर्ण और स्पष्ट रहता है। यहाँ कुछ अन्य उदाहरण दिए गए हैं:

- अशुद्ध: वह स-कुशलतापूर्वक पहुँच गया।  $\rightarrow$  शुद्ध: वह सकुशल पहुँच गया। (स और पूर्वक दोनों का अर्थ 'सहित' है)।
- अशुद्ध: ठंडा बर्फ लाओ।  $\rightarrow$  शुद्ध: बर्फ लाओ। (बर्फ हमेशा ठंडी ही होती है)।
- अशुद्ध: विंध्याचल पर्वत हरा-भरा है।  $\rightarrow$  शुद्ध: विंध्याचल हरा-भरा है। (विंध्याचल स्वयं एक पर्वत का नाम है)।
- अशुद्ध: शायद ही वह अवश्य आएगा।  $\rightarrow$  शुद्ध: शायद वह आएगा। (शायद और अवश्य परस्पर विरोधी हैं)।

Q.98 नीचे दिए गए समास और उनके उदाहरण का मिलान कीजिए।

सूची-I

सूची-II

- अव्ययीभाव समास i. रोगमुक्त
- तत्पुरुष समास ii. सप्तसिंधु

सूची-I

सूची-II

c. कर्मधारय समास iii. यथानियम

d. द्विगु समास iv. चन्द्रमुख

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

- A. a-iii, b-i, c-iv, d-ii  
 B. a-ii, b-iii, c-i, d-iv  
 C. a-iv, b-ii, c-iii, d-i  
 D. a-i, b-iv, c-ii, d-iii

**Answer: A****Sol: सही उत्तर:****a-iii, b-i, c-iv, d-ii**

स्पष्टीकरण:

यहाँ प्रत्येक समास और उसके उदाहरण का मिलान निम्नलिखित प्रकार से किया गया है:

1. **A. अव्ययीभाव समास - यथानियम = नियम के अनुसार**

- अव्ययीभाव समास में मुख्यतः अव्यय शब्दों का प्रयोग होता है, और इसका अर्थ मुख्य संज्ञा के अनुसार होता है। यहाँ "यथानियम" का अर्थ है "नियम के अनुसार", जो अव्ययीभाव समास का उदाहरण है।
- मिलान: a-iii

2. **B. तत्पुरुष समास - रोगमुक्त = रोग से मुक्त**

- तत्पुरुष समास में पहला पद प्रधान होता है और दूसरा पद उसका कारण या साधन होता है। "रोगमुक्त" में "रोग से मुक्त" का अर्थ निकलता है, इसलिए यह तत्पुरुष समास का उदाहरण है।
- मिलान: b-i

3. **C. कर्मधारय समास - चन्द्रमुख = चंद्र जैसा मुख**

- कर्मधारय समास में विशेषण और विशेष्य का संबंध होता है। "चन्द्रमुख" में "चंद्र जैसा मुख" है, जो विशेषण और विशेष्य का संबंध दिखा रहा है। इसलिए यह कर्मधारय समास का उदाहरण है।
- मिलान: c-iv

4. **D. द्विगु समास - सप्तसिंधु = सात सिंधुओं का समूह**

- द्विगु समास में संख्या का उल्लेख होता है और यह किसी समूह का बोध कराता है। "सप्तसिंधु" का अर्थ है "सात सिंधुओं का समूह," जो द्विगु समास का उदाहरण है।
- मिलान: d-ii

निष्कर्ष:

प्रत्येक समास का मिलान उसके उदाहरण से किया गया है, और इस आधार पर सही उत्तर है:

**सही उत्तर:****a-iii, b-i, c-iv, d-ii****Q.99** विग्रह का समास के साथ मिलान कीजिए।

सूची-I

सूची-II

a. ऋण से युक्त I. द्वंद्व समास

b. मुख्य है जो मंत्री II. अव्ययी भाव समास

c. समय के अनुसार III. कर्मधारय समास

d. सीता और राम IV. तत्पुरुष समास

- A. a-III, b-I, c-II, d-IV  
 B. a-I, b-II, c-III, d-IV  
 C. a-IV, b-III, c-II, d-I  
 D. a-IV, b-III, c-I, d-II

**Answer: C**

**Sol:** सही उत्तर:(C) a-IV, b-III, c-II, d-I  
सही मिलान:

सूची-I	सूची-II	व्याख्या:
a. ऋण से युक्त	IV. तत्पुरुष समास	इस समास में एक शब्द दूसरे से संबंधित होता है, जैसे "ऋण से युक्त" (ऋण + युक्त) में 'ऋण' और 'युक्त' का मिलन है, जो तत्पुरुष समास का उदाहरण है।
b. मुख्य है जो मंत्री	III. कर्मधारय समास	'मुख्य' और 'मंत्री' का मिलन 'कर्मधारय समास' को दर्शाता है, जिसमें पहला शब्द किसी विशेषता का द्योतक होता है और दूसरा उस विशेषता का विस्तार करता है।
c. समय के अनुसार	II. अव्ययीभाव समास	समय के अनुसार - यथासमय, व्याख्या = अव्ययीभाव समास में पहला पद प्रधान होता है, जो एक अव्यय की तरह कार्य करता है तथा दूसरा पत्र गौण होता है।
d. सीता और राम	I. द्वंद्व समास	'सीता-राम' का समास विग्रह करने पर 'सीता और राम' होगा। इसमें 'और' योजक का प्रयोग किए जाने के कारण 'द्वंद्व समास' है।

**अतिरिक्त जानकारी:**  
समास के प्रकार निम्नलिखित हैं:

समास का नाम	परिभाषा	उदाहरण
तत्पुरुष समास	जिस समास में उत्तरपद प्रधान हो तथा समास करने के उपरांत विभक्ति (कारक चिह्न) का लोप हो।	गृहस्वामी = घर का मालिक, विद्यादाता = विद्या का दाता
बहुव्रीहि समास	जिस समास में दोनों पद प्रधान नहीं होते हैं और दोनों पद मिलकर किसी अन्य विशेष अर्थ की ओर संकेत करते हैं।	चक्रपाणि = जिसके हाथ में चक्र हो, चतुर्वेदी = चार वेद जानने वाला
कर्मधारय समास	जिस समास में विशेषण और विशेष्य के रूप में दोनों पद का संबंध हो।	श्वेतपुष्प = सफेद रंग का फूल, महानगर = महान है जो नगर
द्विगु समास	जिस समास में पूर्वपद (पहला पद) संख्यावाचक विशेषण हो।	चतुर्दिक = चार दिशाओं का समूह, सप्तसागर = सात समुद्र का समूह
अव्ययीभाव समास	जिस समास में पहला पद प्रधान हो और समस्त पद अव्यय का काम करें।	शीघ्रागमन = जल्दी आने वाला, प्रत्यक्ष = सामने रखे हुए
द्वन्द्व समास	द्वन्द्व समास में समस्तपद के दोनों पद समान रूप से प्रधान होते हैं। "और," "या," "एवं" आदि शब्दों का लोप होने पर बनता है।	रामलक्ष्मण = राम और लक्ष्मण, सूर्यचंद्र = सूर्य और चंद्रमा

**तत्पुरुष समास के भेद:**

भेद	परिभाषा	विभक्ति का लोप
कर्म तत्पुरुष	क्रिया के कर्म का बोध होता है।	"को"
करण तत्पुरुष	क्रिया के साधन या उपकरण का बोध होता है।	"से" या "द्वारा"
संबंध तत्पुरुष	दो पदों के बीच संबंध का बोध होता है।	"का," "की," "के"
अपादान तत्पुरुष	"से," "द्वारा," या "किससे" का बोध होता है।	"से"
सम्प्रदान तत्पुरुष	"के लिए" या "को" का बोध होता है।	"के लिए," "को"
अधिकरण तत्पुरुष	"में," "पर," "अंदर" आदि का बोध होता है।	"में," "पर"

**Q.100** निम्नलिखित का उचित मिलान कीजिए।

सूची-i

सूची-ii

- a. अदृश्य i. जिसमें प्राण न हो
- b. श्रव्य ii. जिसमें जीवन हो
- c. निर्जीव iii. जो दिखाई न दे
- d. सजीव iv. जो सुना जा सके

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

- A. a-i, b-ii, c-iv, d-iii  
B. a-iii, b-iv, c-i, d-ii  
C. a-ii, b-i, c-iii, d-iv  
D. a-iv, b-iii, c-ii, d-i

**Answer:** B

**Sol:** सही उत्तर: B (a-iii, b-iv, c-i, d-ii)

**विश्लेषण:**

प्रत्येक विकल्प का विश्लेषण करके सही मिलान ढूंढा गया है। नीचे दिए गए विकल्पों के अर्थों के आधार पर उचित व्याख्या की गई है:

- a. अदृश्य - iii. जो दिखाई न दे**
  - अदृश्य का अर्थ है 'जो आंखों से न दिखे'। इसलिए, यह **iii. जो दिखाई न दे** से मेल खाता है।
- b. श्रव्य - iv. जो सुना जा सके**
  - श्रव्य का अर्थ है 'जो सुनने योग्य हो'। इसलिए, यह **iv. जो सुना जा सके** से मेल खाता है।
- c. निर्जीव - i. जिसमें प्राण न हो**
  - निर्जीव का अर्थ है 'जिसमें जीवन या प्राण न हो'। इसलिए, यह **i. जिसमें प्राण न हो** से मेल खाता है।
- d. सजीव - ii. जिसमें जीवन हो**
  - सजीव का अर्थ है 'जिसमें जीवन हो'। इसलिए, यह **ii. जिसमें जीवन हो** से मेल खाता है।

**विस्तृत उत्तर:**

सूची-i

सूची-ii

- a. अदृश्य iii. जो दिखाई न दे
- b. श्रव्य iv. जो सुना जा सके
- c. निर्जीव i. जिसमें प्राण न हो
- d. सजीव ii. जिसमें जीवन हो

**अन्य विकल्पों का विश्लेषण:**

- **A (a-i, b-ii, c-iv, d-iii)**

- गलत: अदृश्य को 'i. जिसमें प्राण न हो' से जोड़ा गया है, जो गलत है।

- **B (a-iii, b-iv, c-i, d-ii)**

- सही: यह सभी सही मेल प्रदान करता है।

- **C (a-ii, b-i, c-iii, d-iv)**

- गलत: अदृश्य को 'ii. जिसमें जीवन हो' से जोड़ा गया है, जो गलत है।

- **D (a-iv, b-iii, c-ii, d-i)**

- गलत: अदृश्य को 'iv. जो सुना जा सके' से जोड़ा गया है, जो गलत है।

**जानकारी बूस्टर:**

- **अदृश्य:** जो दिखाई न दे।
- **श्रव्य:** जो सुनाई दे।
- **निर्जीव:** जिसमें जीवन न हो।
- **सजीव:** जिसमें जीवन हो।

**अतिरिक्त जानकारी:**

- यह प्रश्न सही उत्तर के चयन के लिए शब्दार्थ और संदर्भ का सही ज्ञान मांगता है।
  - विकल्पों को ध्यानपूर्वक पढ़कर मिलान करने से वाक्य और संदर्भ के अर्थ बेहतर समझ में आते हैं।
- 

